सब का सपना

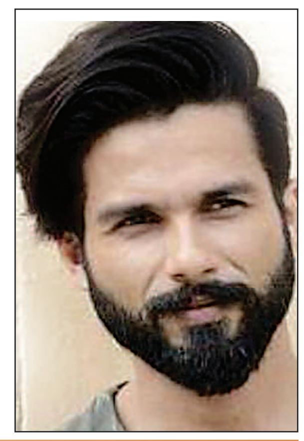

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शमी ने अब भी वापसी की नहीं छोड़ी उमीद, जमकर कर रहे पेज: 7 | खुद को स्टार नहीं मानते शाहिद? पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 284 | शुक्रवार 23 जनवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पश्चिम बंगाल सरकार ने वरिष्ठ डब्ल्यूबीसीएस कैडर का विस्तार किया

बंगाल एजेंसी: पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य प्रशासन को मजबूत करने के उद्देश्य से डब्ल्यूबीसीएस (कार्यकारी) कैडर के अधिकारियों के लिए 100 से अधिक नये वरिष्ठ पद सृजित किए हैं, जिससे शीर्ष स्तर पर मौकों का विस्तार हुआ है। कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा बुधवार को जारी एक अधिसूचना के अनुसार, संयुक्त सचिव स्तर पर 100 अतिरिक्त पद और विशेष सचिव स्तर पर 40 अतिरिक्त पद सृजित किए गए हैं। इस विस्तार के साथ, संयुक्त सचिव और समकक्ष पदों की स्वीकृत संख्या 250 से बढ़कर 350 हो गई है, जबकि विशेष सचिव और समकक्ष पदों की संख्या 100 से बढ़कर 140 हो गई है।

लोकसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी का केरल दौरा, देंगे रेल-नवाचार की बड़ी सौगात

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को चुनाव वाले केरल राज्य का दौरा करेंगे और विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उनका उद्घाटन करेंगे और उन्हें हरी झंडी दिखाएंगे। वे चार नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे और तिरुवनंतपुरम में सीएसआईआर-एनआईआईएसटी इनोवेशन, टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप हब की आधारशिला रखेंगे। इस अवसर पर वे तिरुवनंतपुरम में एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे। ये परियोजनाएं रेल संपर्क, शहरी आजीविका, विज्ञान और नवाचार, नागरिक-केंद्रित सेवाएं और उन्नत स्वास्थ्य सेवा सहित प्रमुख क्षेत्रों को कवर करती हैं, जो समावेशी विकास,

तकनीकी उन्नति और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार पर प्रधानमंत्री के निरंतर ध्यान को दर्शाती हैं। रेल संपर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, प्रधानमंत्री चार नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस और एक यात्री ट्रेन शामिल हैं। इनमें नागरकोइल-मंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-तंबरम अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और त्रिशूर और गुरुवायूर के बीच चलने वाली एक नई यात्री ट्रेन शामिल हैं। इन सेवाओं के आरंभ का उद्देश्य केरल,

भारत एक्सप्रेस और त्रिशूर और गुरुवायूर के बीच चलने

रेल संपर्क को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, प्रधानमंत्री चार नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे, जिनमें तीन अमृत भारत एक्सप्रेस और एक यात्री ट्रेन शामिल हैं। इनमें नागरकोइल-मंगलुरु अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-तंबरम अमृत भारत एक्सप्रेस, तिरुवनंतपुरम-चारलापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस और त्रिशूर और गुरुवायूर के बीच चलने वाली एक नई यात्री ट्रेन शामिल हैं।

तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच लंबी दूरी और क्षेत्रीय संपर्क को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाना है, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा अधिक किफायती, सुरक्षित और समयबद्ध हो जाएगी। बेहतर संपर्क से पूरे क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार, शिक्षा, रोजगार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा। शहरी आजीविका को मजबूत करने के प्रयासों के तहत, प्रधानमंत्री पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड लॉन्च करेंगे, जो स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वित्तीय समावेशन के अगले चरण की शुरूआत है।

यूपीआई से जुड़ी, ब्याज-मुक्त यह रिवॉल्विंग क्रेडिट सुविधा तत्काल नकदी उपलब्ध कराएगी, डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देगी और लाभार्थियों को औपचारिक क्रेडिट इतिहास बनाने में मदद करेगी। प्रधानमंत्री केरल के स्ट्रीट वेंडर्स सहित एक लाख लाभार्थियों को पीएम स्वनिधि ऋण भी वितरित करेंगे। 2020 में शुरू होने के बाद से, पीएम स्वनिधि योजना ने लाभार्थियों के एक बड़े हिस्से को पहली बार औपचारिक ऋण तक पहुंच प्रदान की है और शहरी अनौपचारिक श्रमिकों के लिए गरीबी उन्मूलन और आजीविका सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गणतंत्र दिवस से पहले आतंक पर करारा प्रहार, जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने चलाया निर्णायक अभियान

नई दिल्ली एजेंसी: गणतंत्र दिवस से पहले जम्मू कश्मीर एक बार फिर आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक मोर्चे पर खड़ा दिखाई दे रहा है। सुरक्षा बलों ने साफ संकेत दे दिए हैं कि इस बार किसी भी साजिश को पनपने का अवसर नहीं दिया जाएगा। जम्मू शहर से लेकर किश्तवाड़ और शोपियां तक चल रहे सघन तलाशी अभियानों ने आतंकियों की कमर तोड़ दी है और उनके मददगार तंत्र में खलबली मचा दी है। हम आपको बता दें कि जम्मू के बाहरी इलाकों-भाटिंडी नारवाल और राजीव नगर में पुलिस और केंद्रीय बलों ने घर घर तलाशी अभियान चलाया। गणतंत्र दिवस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए यह कार्रवाई बेहद सख्त और सुनियोजित रही। सीमा क्षेत्रों और राजमार्गों पर निगरानी

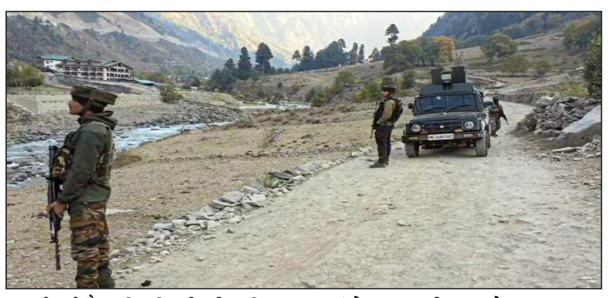

बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके। सुरक्षा एजेंसियां साफ कर चुकी हैं कि राष्ट्र विरोधी ताकतों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। किश्तवाड़ जिले के ऊंचाई वाले जंगलों में हालात और भी गंभीर रहे। चतरू क्षेत्र के सोनार और मंद्रल सिंहपोरा में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना के बाद सेना ने अतिरिक्त जवान तैनात किए। ऑपरेशन त्राशी एक के तहत चल रहे इस अभियान में जवानों ने दुर्गम इलाकों में भी मोर्चा संभाले रखा। रविवार से शुरू हुई मुठभेड में एक वीर पैराट्रूपर शहीद हुआ और कई जवान घायल हुए लेकिन अभियान रुका नहीं। आतंकियों द्वारा छिपकर किए गए ग्रेनेड हमले और लगातार गोलीबारी के बावजूद सुरक्षा बलों ने दबाव बनाए रखा। मुठभेड़ स्थल के पास एक बड़ा आतंकी ठिकाना उजागर होना इस बात का प्रमाण है कि आतंकी संगठन गहरी साजिश के साथ इलाके में जड़ें जमाने की कोशिश कर रहे थे। खुफिया एजेंसियों का अनुमान है कि इस क्षेत्र में दो से तीन आतंकी सक्रिय हैं जिनका संबंध सीमा पार बैठे आतंकी आकाओं से है। आज वहां फिर से गोलीबारी शुरू होना बताता है कि आतंकी घिर चुके हैं और बौखलाहट में हैं। हम आपको यह भी बता दें कि दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में भी सुरक्षा बलों की सतर्कता ने बड़ी अनहोनी टाल दी। अवनीरा गांव के एक बाग से लगभग छह किलो वजनी आईईडी बरामद कर उसे नियंत्रित विस्फोट में नष्ट कर दिया गया। यह साफ है कि गणतंत्र दिवस से पहले आम लोगों को निशाना बनाने की साजिश रची जा रही थी

डोडा में दर्दनाक हादसा: 10 जवानों की शहादत पर पीएम मोदी और राजनाथ सिंह ने जताया गहरा दुख

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए दुखद सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया, जिसमें 10 सेनाकर्मियों की जान चली गई। डोडा में हुए दुखद सड़क हादसे से मैं बेहद दुखी हूं, जिसमें हमने भारतीय सेना के 10 बहादुर जवानों को खो दिया। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल जवानों को चिकित्सा सहायता दी जा रही है और सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस कठिन घड़ी में पूरा देश हमारे सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है। भारतीय सेना ने बताया कि डोडा में खराब मौसम और दुर्गम रास्तों पर चलते समय जवानों को ले जा रहा एक

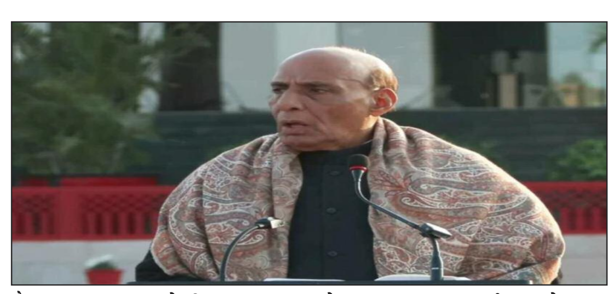

सैन्य वाहन सड़क से फिसल गया। दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, डोडा के आसपास के इलाके में खराब मौसम और दुर्गम रास्तों पर चलते समय एक सैन्य वाहन, जिसमें एक अभियान के लिए सैनिक सवार थे, सड़क से फिसल गया। इस दुर्घटना में कई लोग हताहत हुए हैं, जिनमें से कुछ की मृत्यु हो गई है। घायलों को आगे के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक सड़क दुर्घटना में दस सेनाकर्मी शहीद हो गए और इतने ही जवान घायल हो गए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के कार्यालय ने यह जानकारी दी। उपराज्यपाल कार्यालय के एक संदेश में कहा गया डोडा में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में हमारे दस बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने से हम बेहद दुखी हैं। हम अपने बहादुर सैनिकों की उत्कृष्ट सेवा और सर्वोच्च बलिदान को हमेशा याद रखेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। संदेश में आगे कहा गया, ह्लइस गहरे दुख की घड़ी में, पूरा देश शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता और समर्थन में खड़ा है। दस घायल सैनिकों को अस्पताल ले जाया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों को सर्वोत्तम संभव उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह हादसा भदेरवाह के खानी टॉप इलाके में हुआ, जिसके बाद तुरंत बचाव और राहत अभियान शुरू किए गए। घटना के तुरंत बाद, सेना और स्थानीय प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और दुर्गम भूभाग और प्रतिकूल मौसम की स्थिति के बावजूद बचाव कार्य शुरू किया।

तमिलनाडु की राजनीति का नया अध्याय विजय की टीवीके को 'सीटी', कमल हासन को मिली 'बैटरी टॉर्च'

नई दिल्ली एजेंसी: आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से पहले, दिग्गज अभिनेता विजय और कमल हासन की राजनीतिक पार्टियों को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा उनके संबंधित चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए हैं। सीटी का चुनाव चिन्ह अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्टी कजगम (टीवीके) को आवंटित किया गया है। वहीं, बैटरी टॉर्च का चुनाव चिन्ह कमल हासन के नेतृत्व वाली मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) को आवंटित किया गया है। हासन की एमएनएम ने सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) के साथ गठबंधन किया है, जबकि विजय की टीवीके आगामी विधानसभा चुनावों में पहली बार मैदान में उतर रही है और मौजूदा डीएमके को सत्ता से बेदखल करके सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही है। मुझे यह सूचित करने का निर्देश दिया गया है कि पश्चिम बंगाल,

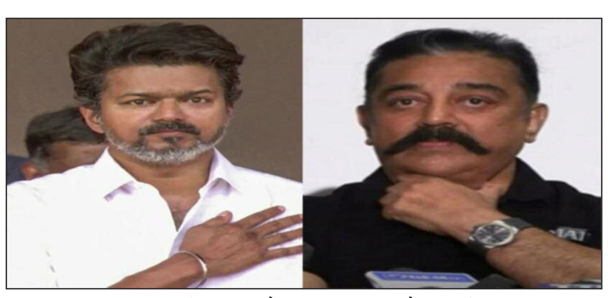

तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी की विधानसभाओं के आगामी आम चुनावों 2025-26 में अपने उम्मीदवारों को एक सामान्य चिन्ह आवंटित करने के लिए निम्नलिखित पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के आवेदन, चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के अनुच्छेद 10इ के प्रावधानों के तहत, आयोग द्वारा स्वीकार कर लिए गए हैं। यह आदेश चुनाव आयोग के सचिवालय द्वारा तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजे गए एक आदेश के अनुसार है। चिह्नों का आवंटन और उपयोग चुनाव चिन्ह (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 द्वारा नियंत्रित होता है। ये चिन्ह उन निर्वाचन क्षेत्रों में अन्य उम्मीदवारों को "मुक्त चिन्ह" के रूप में भी आवंटित किए जा सकते हैं जहां पार्टियां वास्तव में अपने उम्मीदवार नहीं उतारती हैं। इसके अलावा, यदि पार्टियां न्यूनतम उम्मीदवारों की आवश्यकता पूरी नहीं करती हैं, यानी कुल विधानसभा सीटों में से 5 प्रतिशत पर जीत हासिल नहीं करती हैं, तो वे अपने चुनाव चिन्ह भी खो सकती हैं।

राहुल गांधी ने मनरेगा के लिए लोगों से एकजुट होने का आह्वान किया

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह लाए गए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी तथा केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और लोगों का आह्वान किया कि वे सरकार के इस कदम के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों। उन्होंने कांग्रेस के प्रकोष्ठ रचनात्मक कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम मनरेगा बचाओ मोर्चा में यह आरोप भी लगाया कि भाजपा एक ऐसा हिंदुस्तान चाहती है जहां एक राजा सारे फैसले करे। राहुल गांधी ने कहा, मनरेगा की परिकल्पना गरीबों को रोजगार देने के अधिकार का कानून था... इसमें लोगों और मजदूरों की आवाज थी। इस योजना ने हर गरीब व्यक्ति को 100 दिनों के रोजगार की गारंटी दी थी। उन्होंने कहा कि अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा

इसे खत्म करना चाहते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने निरस्त हो चुके कृषि कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों ने दबाव डालकर कानूनों को रद्द करवाया था तथा उन्होंने मजदूरों को रास्ता दिखाया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि ये लोग (भाजपा) आधुनिक भारत के ढांचे को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मुझे मालूम है कि ये (भाजपा) डरपोक लोग हैं। अगर हम लोग एक साथ खड़े हो गए तो आप निर्णय लेंगे कि योजना का नाम क्या होगा और यह कैसे चलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ गरीबों को एकजुट होकर खड़ा होना पड़ेगा।

नीट-पीजी परीक्षा में -40 अंक पाने वाले विद्यार्थियों की काउंसलिंग को चुनौती

नई दिल्ली एजेंसी: नीट-पीजी 2025 की परीक्षाओं में 800 अंकों में से -40 अंक हासिल करने वाले एससी/एसटी/ओबीसी विद्यार्थियों को काउंसलिंग में बैठने की अनुमति देने के राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) के निर्णय को चुनौती देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है। पेश से अधिवक्ता याचिकाकर्ता अभिनव गौर ने इस कदम को संविधान के अनुच्छेद-16 का उल्लंघन करने वाला असंवैधानिक कदम बताया है। यह अनुच्छेद सरकारी नौकरियों के मामले में समान अवसर उपलब्ध कराता है। याचिका में इस आधार पर एनबीईएमएस के निर्णय को चुनौती दी गई है कि नीट-पीजी 2025 के लिए कट-ऑफ अंकों में उल्लेखनीय कटौती से मेरिट के आधार पर चयन प्रक्रिया की पवित्रता कमजोर होगी। जनहित याचिका में कहा गया है कि दूसरे दौर की

काउंसिलिंग के बाद 18,000 से अधिक सीटें खाली रहने पर बोर्ड ने योग्यता के मानक जबरदस्त ढंग से घटा दिए जिसमें अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए अंक -40 तय किया गया। याचिकाकर्ता ने यह भी संकेत दिया कि सामान्य (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) वर्ग में कट ऑफ 276 से घटाकर 103 कर दिया गया, जबकि सामान्य (पीडब्लूबीडी) वर्ग में इसे 255 से घटाकर 90 कर दिया गया है। वहीं, एससी/एसटी/ओबीसी वर्ग में इसे 235 से घटाकर -40 कर दिया गया जिससे जनस्वास्थ्य और मरीज की सुरक्षा बुरी तरह प्रभावित होगी। याचिका में यह दलील भी दी गई है कि इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने की न्यूनतम योग्यता नहीं रखने वाले ऐसी गुणवत्ता के डॉक्टरों से संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत स्वास्थ्य और जीवन का अधिकार प्रभावित होगा। इस जनहित याचिका पर जल्द ही सुनवाई किए जाने की संभावना है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई- उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ एजेंसी: सीएम मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी के स्पष्ट निर्देशों के अनुपालन में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत कार्यों में लापरवाही, अनुबंध शर्तों के उल्लंघन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन न किए जाने के मामलों में कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-3 के अंतर्गत एफ.डी.आर. तकनीकी से वित्तीय वर्ष 2021-22 के बैच-02 में जनपद गाजीपुर में स्वीकृत पैकेज संख्या यूपी-29135, यूपी-29137, यूपी-29138, यूपी-29139 एवं यूपी-29140 के मार्गों का अनुबंध सं० 166/एसई/आरईडी-वाराणसी 2022-23 दिनांक 18.10.2022 द्वारा मैसर्स सिंगला गुप्ता एंड सन्स, 182, आर्यन बाजार, कैंट, प्रयागराज के पक्ष में निष्पादित किया गया था। इसी प्रकार, जनपद प्रयागराज में एफ.डी.आर. तकनीकी से वित्तीय वर्ष 2021-22 के बैच-02 में स्वीकृत पैकेज संख्या यूपी-03217, यूपी-03218 एवं यूपी-03166 के मार्गों का अनुबंध सं० 35/ एसई/ आरईडी-प्रयागराज /2022-23 दिनांक 31.08.2022 द्वारा उक्त फर्म के पक्ष में किया गया था। अनुबंधित ठेकेदार द्वारा अनुबंध की शर्तों का पालन न किए जाने, गुणवत्ता एवं समयबद्धता में गंभीर लापरवाही तथा एसबीडी की शर्तों–क्लॉज 52.2(a), 52.2(e), 52.2(h), 52.2(i) एवं 52.2(j) का उल्लंघन पाए

जाने के कारण तथा एसबीडी के क्लॉज 52.3 में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत सक्षम स्तर पर कार्रवाई की गई। इसके फलस्वरूप- अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग परिमण्डल, प्रयागराज, वाराणसी द्वारा जनपद गाजीपुर के पैकेज संख्या यूपी-29135, यूपी-29137, यूपी-29138, यूपी-29139 एवं यूपी-29140 के अनुबंधों को अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, परिमंडल-वाराणसी द्वारा कार्यालय पत्रांक 1236 ग्राअवि0 पीएमजीएसवाई अनुबंध 2025-26

अनुबंधित ठेकेदार द्वारा अनुबंध की शर्तों का पालन न किए जाने, गुणवत्ता एवं समयबद्धता में गंभीर लापरवाही तथा एसबीडी की शर्तों—क्लॉज 52.2(a), 52.2(e), 52.2(h), 52.2(i) EUa 52.2(j)—का उल्लंघन पाए जाने के कारण तथा एसबीडी के क्लॉज 52.3 में वर्णित प्रावधानों के अंतर्गत सक्षम स्तर पर कार्रवाई की गई।

दिनांक 26.12.2025 के माध्यम से निरस्त किया गया। जनपद प्रयागराज के पैकेज संख्या यूपी-03217, यूपी-03218 एवं यूपी-03166 के अनुबंधों को अधीक्षण अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, परिमंडल-प्रयागराज द्वारा कार्यालय पत्रांक 749 ग्राअवि0 सं0 पीएमजीएसवाई 2025-26 दिनांक 07.11.2025 के माध्यम से निरस्त किया गया। साथ ही, मुख्य अभियंता (पूर्वी क्षेत्र), ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा कार्यालय पत्रांक 1507 दिनांक 25.10.2023 के माध्यम से अनुबंध शर्तों के अनुसार कार्य न किए जाने के कारण मैसर्स सिंगला गुप्ता एंड सन्स को 02 वर्ष के लिए डिबार किया गया है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं समयबद्ध सड़कों का निर्माण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनियमितता या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी परियोजनाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। अंकुर कौशिक, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जनहित से जुड़े विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसी लापरवाही पर त्वरित एवं निर्णायक कार्रवाई जारी रहेगी।

संपादकीय

दोस्ती की लिखावट

निस्संदेह डिजिटल दौर के नशे में डूबी पीढ़ी वास्तविक रिश्तों से दूर होती जा रही है। वहीं दूसरी ओर छात्रों की लिखने की आदत भी छूटती जा रही है। लेखन हमारी मौलिक व सार्थक अभिव्यक्ति है और सेहत से भी जुड़ा है। पुरानी कहावत है–जिसके बहुत सारे दोस्त होते हैं उसका कोई दोस्त नहीं होता। कमोबेश मौजूदा दौर में हकीकत यही है कि जिनके सोशल मीडिया में हजारों-लाखों मित्र व फॉलोवर होते हैं वे निजी जीवन में नितांत एकाकी होते हैं। यह घातक प्रवृत्ति बच्चों में भी तेजी से घर कर रही है। लेखन में हमारी उंगलियों के पोर इस्तेमाल होते हैं, जिनके सिरे हमारे विभिन्न अंगों के स्वास्थ्य से गहरे तक जुड़े रहते हैं। कलम या पेन से लेखन हमारे बौद्धिक विकास में भी सहायक होता है। लेकिन आज मोबाइल व कंप्यूटर, लेपटॉप व टैबलेट के दौर में बच्चे लेखन से दूर होकर खुद को बेहतर ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते। इस संकट को महसूस करते हुए सीबीएसई ने छात्रों को मित्रों से जुड़ाव व उनकी लेखन कला को निखारने के लिए अभिनव पहल की है। बोर्ड ने डाक विभाग के साथ मिलकर यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन ह्यइंटरनेशनल लेटर राइटिंग कंपीटिशन-2026ह्ण आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम आने वाले छात्र को पचास हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। साथ ही विजेता को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका भी दिया जाएगा। छात्रों को जो पत्र लिखने का विषय दिया गया है वह मौजूदा हालात में बेहद रोचक व उपयोगी है। छात्र को अपने दोस्त को पत्र लिखना है कि मौजूदा डिजिटल दौर में लोगों का आपसी जुड़ाव व बातचीत क्यों जरूरी है। दरअसल, इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की सोच को विस्तार देना और उनकी लेखन कला को निखारना है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता को जीतने वाले प्रतिभागी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतने पर छात्र को स्विट्जरलैंड के बर्न स्थित यूपीए हेड क्वार्टर का दौरा करने का अवसर मिल सकता है। इस प्रतियोगिता के प्रतिभागी नौ से पंद्रह साल के ही होने चाहिए। वे अपनी एंट्री अंग्रेजी व हिंदी में भी दे सकते हैं। प्रतिभागी अपने स्कूल के माध्यम से ही इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। निश्चित रूप से बच्चों में लिखने की घटती प्रवृत्ति के दौर में यह एक रचनात्मक प्रयास है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो।

ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सुभाषचंद्र बोस अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक

जवाहर प्रजापति

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। वे ऐसे महान क्रांतिकारी नेता थे जिनकी एक पुकार पर हजारों महिलाओं ने अपने कीमती गहने अर्पित कर दिये और हजारों युवक और युवतियाँ आजाद हिन्द फौज में भर्ती हो गये। जिन्होंने न केवल अंग्रेजी शासन को खुली चुनौती दी, बल्कि भारतीयों के मन में स्वतंत्रता के लिए बलिदान की ज्वाला भी प्रज्वलित की। नेताजी की जयंती हर वर्ष 23 जनवरी को पूरे देश में गर्व, श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है। यह दिन हमें उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रभक्ति की याद दिलाता है।

सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को ओडिशा के कटक नगर में एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। उनके पिता जानकीनाथ बोस प्रसिद्ध वकील थे और माता प्रभावती देवी धार्मिक एवं संस्कारवान महिला थीं। बचपन से ही सुभाष चंद्र बोस अत्यंत मेधावी, अनुशासित और आत्मसम्मानी थे। पढ़ाई के साथ-साथ उनके मन में देश के प्रति गहरा प्रेम और अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष भी पनप रहा था।

उन्होंने कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज और बाद में स्कॉटिश चर्च कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की। उच्च शिक्षा के लिए वे इंग्लैंड गए और भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा में सफलता प्राप्त की। उस समय यह परीक्षा पास करना अत्यंत कठिन माना जाता था, परंतु नेताजी ने इसे भी अपनी प्रतिभा से सिद्ध कर दिया। इसके बावजूद उन्होंने यह प्रतिष्ठित पद यह कहकर छोड़ दिया कि वे गुलाम भारत की सरकार की सेवा नहीं कर सकते। यह निर्णय उनके त्याग और देशप्रेम का महान उदाहरण है।

भारत लौटने के बाद सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से जुड़ गए। वे दो बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष भी चुने गए। हालांकि, स्वतंत्रता प्राप्त करने के तरीकों को लेकर उनके और कांग्रेस के कुछ नेताओं के बीच मतभेद थे। नेताजी का मानना था कि केवल अहिंसा से स्वतंत्रता मिलना कठिन है, इसके लिए सशक्त और संगठित संघर्ष भी आवश्यक है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नेताजी ने अंग्रेजों के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष का मार्ग अपनाया। उन्होंने विदेश जाकर आजाद हिंद फौज का गठन किया और भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने का संकल्प लिया। ह्लतुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगाह्व जैसा उनका ओजस्वी नारा आज भी भारतीयों के रोंगटे खड़े कर देता है। इस नारे ने लाखों युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़ने की प्रेरणा दी। आजाद हिंद फौज में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। रानी लक्ष्मीबाई रेजिमेंट इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। नेताजी का प्रसिद्ध नारा ह्लजय हिंदह्व आज भी भारतीय सेना और नागरिकों में देशप्रेम की भावना को प्रबल करता है। उन्होंने ह्लदिल्ली चलोह्व का आह्वान कर अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी।

सुभाष चंद्र बोस का जीवन केवल राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं था। वे एक प्रखर वक्ता, कुशल संगठनकर्ता और दूरदर्शी नेता थे। उनका मानना था कि स्वतंत्र भारत में सभी धर्मों, जातियों और वर्गों को समान अधिकार मिलने चाहिए। वे एक मजबूत, आत्मनिर्भर और अनुशासित भारत का सपना देखते थे।

नेताजी की मृत्यु आज भी एक रहस्य बनी हुई है, किंतु इसमें कोई संदेह नहीं कि उनका जीवन और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण मातृभूमि की सेवा में समर्पित कर दिया। सुभाष चंद्र बोस जयंती हमें यह संदेश देती है कि देश की स्वतंत्रता और सम्मान से बड़ा कुछ नहीं होता। उनके विचार, आदर्श और बलिदान आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने स्वतंत्रता संग्राम के समय थे। ऐसे महान राष्ट्रनायक को स्मरण करना और उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस अमर रहें। जय हिंद!

विवादित है शंकराचार्य पदवी पर अविमुक्तेश्वरानंद की दावेदारी

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को मौनी अमावस्या के दिन पालकी पर सवार होकर संगम तट तक जाने की प्रशासन से तकरार महंगी पड़ने वाली है? क्योंकि प्रशासन ने तो उन्हें शंकराचार्य मानने से ही इंकार कर दिया है और इस के आधार में सुप्रीम कोर्ट में लम्बित मामले का हवाला भी दिया है। लगता है कि अब ज्योतिष पीठ पर अविमुक्तेश्वरानंद की शंकराचार्य पदवी की दावेदारी का विवाद अब और मुखर हो जाएगा।

आपको बता दें कि प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में मौनी अमावस्या के स्नान को लेकर ज्योतिष पीठ बद्रीनाथ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन आमने सामने आ गए थे। मेला प्रशासन ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए जाने से रोक दिया था। इसके बाद शंकराचार्य समर्थकों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई थी। इससे नाराज होकर शंकराचार्य ने धरना शुरू कर दिया। उनका धरना अभी भी जारी है। शंकराचार्य इस बात पर अड़े हैं कि प्रशासन माफी मांगे। उनका कहना है कि माफी के बिना वो अपने आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। इस बीच एक कड़ा कदम उठाते हुए मेला प्रशासन ने सोमवार को उन्हें एक नोटिस जारी किया। इसमें उनसे 24 घंटे में यह साबित करने को कहा गया है कि वो ही शंकराचार्य हैं। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में लंबित एक मामले का जिक्र है।माघ मेला प्राधिकरण ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को भेजे नोटिस में पूछा है कि उन्होंने अपने नाम के आगे शंकराचार्य क्यों लगाया है? मेला प्राधिकरण के नोटिस में सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन एक मामले का उल्लेख है।मेला प्रशासन का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई आदेश पारित नहीं हुआ है, ऐसे में कोई भी धमार्चार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं हो सकता। बावजूद इसके स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने मेला क्षेत्र में लगे शिविर के बोर्ड पर अपने नाम के आगे शंकराचार्य अंकित किया है।

आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 16 सितंबर 2022 को शंकराचार्य के रूप में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पट्टाभिषेक अभिनंदन समारोह पर रोक लगा दी थी। यह समारोह 17 सितंबर 2022 को होना था। अदालत में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना के पीठ को बताया था कि गोवर्धन मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने एक हलफनामा दायर कर ज्योतिष्पीठ पीठ के नए शंकराचार्य के रूप में अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति का समर्थन नहीं किया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उक्त आदेश पारित किया। सुप्रीम कोर्ट एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने दिवंगत शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती द्वारा ज्योतिष पीठ के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाने का झूठा दावा किया था। यह मामला 2020 से शीर्ष कोर्ट में चल रहा है। इसी मामले में एक नई याचिका दायर कर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पट्टाभिषेक को रोकने की मांग की गई थी। इस याचिका में मीडिया में आई खबरों के हवाले से बताया गया था कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का पट्टाभिषेक 17 अक्तूबर 2022 को होने वाला है।इस याचिका में पट्टाभिषेक समारोह को रोकने की मांग की गई थी।प्रशासन का कहना है कि चूंकि मुख्य अपील अभी भी विचाराधीन है और कोई नया आदेश नहीं आया है, इसलिए वर्तमान में ज्योतिष्पीठ का कोई भी नया शंकराचार्य कानूनी रूप से मान्य नहीं है।

दूसरी ओर माघ मेला प्रशासन के नोटिस के जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की ओर से सोशल मीडिया पर कहा गया है कि जब पट्टाभिषेक 12 सितंबर 2022 को हो चुका है तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश का कोई मतलब नहीं है। उनका कहना है कि जब पट्टाभिषेक हो चुका है तो दुबारा क्यों होगा। उनका दावा है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का पट्टाभिषेक वसीयत या इच्छा पत्र के मुताबिक हुआ है। इस वसीयत को कोर्ट ने भी मान्यता दे दी है।

सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- शंकराचार्य वो होता है जिसे बाकी 3 पीठ शंकराचार्य कहते हैं। 2 पीठ हमें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में हमको साथ लेकर स्नान कर चुके हैं। अब आपको किस प्रमाण की जरूरत हैं।क्या ये प्रशासन तय करेगा कि हम शंकराचार्य हैं या नहीं। भारत के राष्ट्रपति को भी अधिकार नहीं है कि वो तय करे कि कौन शंकराचार्य होगा।

इधर, अविमुक्तेश्वरानंद अड़े हैं कि जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगेगा, तब तक वे आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। उन्होंने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- हर मेले में प्रयागराज आऊंगा, लेकिन शिविर में नहीं, फुटपाथ पर रहूंगा।उधर संत समुदाय में भी अविमुक्तेश्वरानंद के विरोधियों की भी कमी नहीं है। तुलसी पीठाधीश्वर संत रामभद्राचार्य ने कहा है कि शास्त्र के विरुद्ध किए गए किसी भी कार्य का परिणाम सुखद नहीं होता और जो व्यक्ति स्वयं शास्त्र-विरोधी कार्य करेगा, उसे न तो सुख मिलेगा, न शांति और न ही गति। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वह स्वयं पैदल स्नान के लिए जाते हैं, क्योंकि यही शास्त्रसम्मत मार्ग है।इस घटनाक्रम पर पहली बार उज्जैन से अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरिगिरि महाराज का बयान आया है। उन्होंने न सिर्फ घटना को चिंताजनक बताया, बल्कि शंकराचार्य के पद और अखाड़ों की परंपरा को लेकर भी सीधे सवाल खड़े कर दिए।उन्होंने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के पद को लेकर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि वे जिस पद पर आसीन हुए हैं, उसमें अभी अखाड़ा परिषद की ओर से उन्हें चादर ओढ़ाना बाकी है।हमारी परंपरा है कि समस्त 13 अखाड़े मिलकर एक साथ चादर ओढ़ाते हैं। जब समाज और अखाड़े आपको चादर ओढ़ाएंगे, तभी आप पूरे समाज के शंकराचार्य होंगे और समाज आपको पूरी तरह स्वीकार करेगा। बहरहाल स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का विवादों से पुराना नाता है लेकिन इस बार उनकी शंकराचार्य पदवी पर ही सवाल मुखर हो गया है।

ज्ञान और वैराग्य का पर्व है वसन्त पंचमी

धर्म, इतिहास और संस्कृति-तीनों मनुष्य जीवन के चित्र में हरे, लाल, पीले रंगों की तरह गहरे घुले-मिले तत्त्व हैं, यद्यपि इनमें तीनों के रंग अलग-अलग हैं। फिर भी इनकी पहचान करने में हम भूल कर सकते हैं, परन्तु पहचान करना कठिन नहीं है।

धर्म वह शाश्वत तत्त्व है, जो अनादिकाल से मनुष्य के जीवन में आनन्द, सुख और शान्ति का कल्पवृक्ष बनकर लहरा रहा है। धर्म मानव की आन्तरिक चेतना की उपज है, आन्तरिक चेतना से ही उसका सीधा सम्बन्ध है। दया, करुणा, प्रेम, सद्भाव एक-दूसरे के प्रति निःस्वार्थ समर्पण, भौतिक इच्छाओं पर विवेक का अंकुश, सद्-असद् का विवेक और उसके अनुरूप आचरण-यह सब धर्म का रूप है। धर्म हमारी चेतना को ऊर्ध्वमुखी बनाता है, धर्म से ही मन में विराटता और भावों में पवित्रता की प्राणधारा संचरित होती है।

इतिहास एक बीता हुआ सत्य है, भोगा हुआ अतीत है। मनुष्य ने भला-बुरा, सद्-असद् जो कुछ भी किया है, प्रेम और युद्ध, निर्माण और विध्वंस, उद्दाम इच्छाओं का खुला खेल अथवा किसी की रक्षा के लिए अपना बलिदान यह सब इतिहास के पृष्ठों पर अंकित है। इतिहास का रंग लाल और पीला है। जो मानव के द्वारा खेले गये खूनी खेल और किये गये निर्माणों का प्रतीक है। इतिहास मनुष्य की मूर्खता और समझदारी का जीता-जागता दस्तावेज होता है। वह दर्पण है, जिसमें मानव जाति का अतीत प्रतिबिम्बित है।

संस्कृति हरे, पीले, लाल, सफेद फूलों का एक गुलदस्ता है। यह मनुष्य की उस जीवन धारा को सूचित करती है, जिसमें वह बह रहा है, बहता रहा है। उसकी मानसिक रुचियाँ, सुख-दुःख की संवेदनाएँ, खेलकूद, आमोद-प्रमोद की अभिव्यक्तियाँ, अतीत के प्रति जुड़ा अनुराग और भविष्य के प्रति जगे सपने, आशाएँ, अपेक्षाएँ जहाँ, जिस रूप में अभिव्यक्त होती हैं, वह है संस्कृति।

संस्कृति एक प्रवाह है, जो निरन्तर गतिशील भी है, परिवर्तनशील भी है। देश, काल, समाज की परिस्थितियों के अनुसार संस्कृति बदलती रहती है। वातावरण, सम्पर्क और वैचारिक आदान-प्रदान से भी संस्कृति में संस्कार या विकार आते रहते हैं। संस्कृति की तस्वीर में इतिहास और धर्म दोनों ही अपना-अपना रंग लिए रहते हैं। इसलिए संस्कृति कभी सभ्यता, कभी रीति-रिवाजों और कभी पर्व-त्यौहारों के रूप में भी प्रकट होती रहती है।संस्कृति जीवन का अंग है।

भारतीय संस्कृति की एक विशेषता है कि उसमें समाज और धर्म का प्रतिविम्ब एक साथ समाया रहता है। संस्कृति हमेशा ही मानव सभ्यता को विकास और विराटता की ओर ले जाती है। इसलिए हम संस्कृति को जीवन से अलग नहीं कर सकते। मानव-जीवन का एक पहलू धर्म से जुड़ा है तो दूसरा पहलू संस्कृति से जुड़ा हुआ है। पर्व, त्यौहार, उत्सव आदि सभी हमारी सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक हैं। संस्कृति के पवित्र सन्देशों को घर-घर और जन-जन तक पहुँचाने वाले दूत हैं-पर्व।

आज वसन्त पंचमी का पर्व है, चारों ओर नये पीले केसरिया कपड़े नजर आ रहे हैं। लाउडस्पीकरों पर धुन गूँज रही है-मेरा रंग दे वसन्ती चोला। खेत-खलिहान सरसों के पीले-पीले फूलों की शोभा लिए दूर-दूर तक चमक रहे हैं। ऐसा लग रहा है, मानो प्रकृति ने फूलों के बहाने खेतों में सोना फैला दिया है और खेतों की स्वर्णिम आभा देखकर किसान का कोमल मन नाच रहा है। किसान के पसीने की बूँदें ही मानो स्वर्ण-फूल बनकर धरती के अंचल में दमक रही हैं। वसन्त ऋतु की यह सुहावनी छटा कुछ अलौकिक है। बड़ी जीवनदायिनी, आनन्द की वर्षा करने वाली और मन को प्रफुल्लता देने वाली है।

***वसन्त निर्माण का प्रतीक है**

पतझड़ के बाद वसन्त ऋतु का आगमन नव-निर्माण का प्रतीक है। विनाश के बाद नये विकास की सूचना लेकर वसन्त ऋतु आती है। जर्जर, मृतप्रायः प्राकृतिक वनस्पतियों में नव-जीवन अँगड़ाई लेने लगता है। सूखे वृक्षों पर नई-नई कोपलें लगती हैं। मुर्झाये पौधों पर जैसे जीवन खेलने लगता है। सर्वत्र उल्लास उमड़ रहा है। इस अलौकिक शोभा के कारण ही वसन्त ऋतु को सब ऋतुओं से श्रेष्ठ और ऋतुराज कहा जाता है।

***गीता में विद्या या सरस्वती का अवतरण दिवस**

यों तो बसन्त पंचमी एक ऋतु-परिवर्तन का पर्व है। प्राकृतिक जीवन में नव उत्साह और नई उमंग के संचार का त्यौहार है। किन्तु भारत के प्राचीन ऋषि-मनीषियों ने इस पर्व को विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़ दिया है।और वैदिक पुराणों की कथा के अनुसार आज के दिन विद्या देवता सरस्वती का धरा पर अवतरण हुआ था। अर्थात आदिमानव ने आज के दिन अक्षर ज्ञान का अभ्यास करना प्रारम्भ कर दिया था। मनुष्य ने वर्णमाला और लिपिविद्या का ज्ञान सीखना आज के दिन प्रारम्भ किया था। इसलिए वसन्त पंचमी को विद्या देवता के अवतरण का दिन माना गया है।

***बसन्त पंचमी, काम-पूजा नहीं, काम-विजय का पर्व है**

इतिहासकारों का कहना है-प्राचीनकाल में भारत के गुरुकुलों में हजारों विद्यार्थी गुरुओं के चरणों में बैठकर विद्याध्ययन किया करते थे और अपने जीवन को सत्यं, शिवं, सुन्दरम् से जोड़ते थे। सबसे पहले सत्य का ज्ञान प्राप्त करते थे। फिर शिवं-कल्याण का मार्ग पहचानते थे। उसके बाद सौन्दर्य-कला-कौशल सीखते थे। परन्तु जब से भारत में वाम मार्ग का प्रभाव बढ़ा तो सत्यं, शिवं के स्थान पर केवल सुन्दर को महत्त्व दिया जाने लगा और लोग सरस्वती-पूजा छोड़कर कामदेव की पूजा करने लगे। वसन्त पंचमी के पवित्र पर्व पर सरस्वती-पूजा के स्थान पर मदन-महोत्सव मनाया जाने लगा। इसी कारण भारत में ज्ञान-विज्ञान का ह्रास हुआ और आचार-विचार में गिरावट आई। चरित्र का पतन हुआ। भारत के गुरुकुलों में जहाँ अन्य देशों से सैकड़ों, हजारों छात्र पढ़ने के लिए आते थे, ज्ञान प्राप्त करने आते थे। आज वहाँ भारत के छात्र ज्ञान प्राप्त करने विदेशों में जा रहे हैं। ज्ञान का, विद्या का यह ह्रास-पतन क्यों हुआ? इसका कारण है कि सरस्वती के स्थान पर काम को महत्त्व दिया जाने लगा। सत्य के स्थान पर केवल सुन्दर की पूजा होने लगी।

यह सही है कि वसन्त ऋतु प्रफुल्लता की ऋतु है। प्रकृति की सुषमा अपने पूर्ण विकास में निखरती है। रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। न अधिक सर्दी, न अधिक गर्मी यह सब बातें मनुष्य के मन में भावनात्मक परिवर्तन मदन-पूजा या मदन-दहन।

वसन्त पंचमी के कुछ दिन बाद महाशिवरात्रि का पर्व आता है। भारतीय संस्कृति पर शोध करने वालों का अनुमान है कि वसन्त पंचमी और महाशिवरात्रि का परस्पर सम्बन्ध है। वे इस पर्व को मदन-पूजा की जगह कुमारसंभव में वर्णित मदन-दहन अर्थात काम-विजय का पर्व मानते हैं। इसकी पौराणिक कथा इस प्रकार है कि पार्वती ने शिव को पतिरूप में पाने का संकल्प किया। पार्वती को अपने अद्भुत सौन्दर्य का गर्व था। वह सोचती थी अपने रूप-सौन्दर्य, हाव-भाव द्वारा वह शिव की तपश्चर्या भंग करके उन्हें मोह-मुग्ध कर लेगी। हिमालय के देवदारू वन में जहाँ शिव अखण्ड तप में लीन थे, पार्वती वहाँ पहुँची, सहायता के लिए कामदेव को उन्हें प्रसन्न किया जा सकता है। यह जैन संस्कृति का ही नहीं, अपितु वैदिक संस्कृति का भी स्वर है जो हमें तप का महत्त्व बताता है।

वसन्त पंचमी के साथ काम-पूजा का सम्बन्ध वास्तव में वाममार्ग की कुत्सित धारणा का चिह्न है, वास्तव में तो यह पर्व शिवशंकर की काम-विजय का पर्व है। पहले ज्ञान-पूजा करो, ज्ञान प्राप्त करो, फिर ज्ञान के द्वारा वैराग्य अर्थात वीतराग भाव की प्राप्ति करो। इस प्रकार वसन्त पंचमी भारतीय संस्कृति का अध्यात्मोन्मुखी पर्व है और भगवान महावीर के इस सन्देश को चरितार्थ करती है। अज्ञान और मोह का नाश होने पर सम्पूर्ण ज्ञान का आलोक प्राप्त होता है और ज्ञान द्वारा मनुष्य मोह पर विजय प्राप्त कर वीतराग बनता है। वसन्त पंचमी का यही सन्देश आज आपके लिए है।

नोबल पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

मुख्य अतिथि विधायक राजीव तरारा के साथ संबंधित अधिकारी रहे मौजूद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के कुशल निर्देशन में सड़क सुरक्षा माह जनवरी के अवसर पर गजरौला नगर के नोबल पब्लिक स्कूल में एक भव्य यातायात जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं अध्यापकों एवं स्कूल बस चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना रहा। बता दें कि गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडी धनोरा विधानसभा के विधायक राजीव तरारा कार्यक्रम में उपस्थित रहे ,उनके साथ एआरटीओ महेश कुमार शर्मा प्रभारी यातायात अनुज कुमार मलिक सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा एवं विद्यालय प्रबंधन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजीव तरारा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है।उन्होंने छात्र-छात्राओं से स्वयं यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की। उन्होंने हेलमेट, सीट बेल्ट के प्रयोग, ओवरस्पीड से बचाव तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने पर विशेष जोर दिया। एआरटीओ महेश कुमार शर्मा ने यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि नियमों का पालन करने से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आती है, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। उन्होंने स्कूल बस चालकों को निर्धारित गति सीमा, वाहन की फिटनेस, चालक की जिम्मेदारियों एवं बच्चों की सुरक्षा के प्रति सजग रहने की सलाह दी। प्रभारी यातायात अनुज कुमार मलिक ने छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को सड़क पर सुरक्षित चलने के तरीके, जेब्रा क्रॉसिंग के प्रयोग, ट्रैफिक सिग्नल का पालन तथा अनुशासन के महत्व को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपने अभिभावकों को हेलमेट पॉकेट मनी से गिफ्ट करने का आह्वान करते हुए कहा कि जागरूक नागरिक ही सुरक्षित समाज की नींव होते हैं। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य अनिल कुमार जग्गा ने सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अधिकांश दुर्घटनाएँ मानवीय लापरवाही के कारण होती हैं, जिन्हें जागरूकता एवं सतर्कता से रोका जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं, अध्यापकों एवं स्कूल बस चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई तथा सभी ने सुरक्षित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लिया।

पुलिस अधीक्षक ने किया बछरायूं थाना परिसर का निरीक्षण,दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना बछरायूं में गुरुवार को अमरोहा पुलिस अधीक्षक ने अमित कुमार आनंद स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में स्थित जर्जर आवासीय बैरकों के प्रस्तावित जिर्णोद्धार कार्य को लेकर निरीक्षण किया एवं थाना परिसर में संचालित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा यह सुनिश्चित किया गया कि जिर्णोद्धार कार्य किस प्रकार किन मानको एवं किन आवश्यक सुविधाओं के साथ कराया जाना है। संबंधित अधिकारियों को समय बद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराए जाने हेतु एसपी अमित कुमार आनंद ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान की है इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर में संचालित मिशन शक्ति केंद्र एवं साइबर सेल का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला सशक्तिकरण से संबंधित गतिविधियों ,प्राप्त शिकायतों के निस्तारण तथा साइबर अपराधों की रोकथाम व जन जागरूकता संबंधी कार्य की समीक्षा की गई। आमजन को त्वरित संवेदनशील एवं प्रभावी पुलिस सेवा उपलब्ध कराए जाने के संबंध में भी एसपी अमित कुमार आनंद ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर वहां क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया, प्रतिसार निरीक्षक अमरोहा एवं थाना प्रभारी बछरायूं सहित पुलिस कर्मी भी मौजूद रहे।

उमंग डेयरी में स्पर्श सोशल फाउंडेशन द्वारा डेयरी आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

पशुपालन करने वाली समूह एवं FPO से जुड़ी 55 महिलाओं को दिया गया प्रशिक्षण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- उमंग डेयरी परिसर में आसपास के क्षेत्र की पशुपालन करने वाली समूह और FPO से जुड़ी 55 महिलाओं को डेयरी आधारित प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण की शुरूआत स्पर्श सोशल फाउंडेशन के सीनियर मैनेजर एस. आनंद द्वारा की गई, जिसमें उन्होंने स्पर्श के द्वारा किए जा रहे कार्यों और गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने इस प्रशिक्षण के महत्व पर भी प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में मोहमद इमरान ने नितारा एप के बारे में जानकारी दी और पशुओं की सम्पूर्ण जानकारी एप पर डालने की प्रक्रिया के बारे में बताया। चिकित्सक डॉ बृजेश सिंह (खड़गपुर) ने पशुओं में होने वाली बीमारियों के बारे में बताया और उनकी पहचान और बचाव के तरीके समझाए। स्पर्श सोशल फाउंडेशन के प्रोग्राम मैनेजर खड़गपुर मिरनाल पॉल ने पशुपालन के साथ-साथ डेयरी के मैनेजमेंट के बारे में बताया। अजमेर सिंह (रिटायर नेवी ऑफिसर) ने पशुपालकों को स्वयं की रक्षा करने के टिप्स दिए।प्रशिक्षण के अंत में स्पर्श सोशल फाउंडेशन के प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण गोपाल ने सभी का धन्यवाद किया। प्रशिक्षण में स्पर्श टीम शिवप्रसाद , दिनेश मेहर, अरविन्द, हेमन्त सुमन प्रेमवती उपस्थित रही।

धनौरा में इलाज के दौरान महिला की मौत,स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील की गई ओटी में चल रहा था ऑपरेशन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में स्वास्थ्य विभाग की सख्त कार्रवाई एवं ओटी सीलिंग के बावजूद भी निजी अस्पतालों में मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अभी हाल ही में अमरोहा जनपद में इलाज के दौरान हुई महिला की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवैध अस्पतालों की ओटी सीलिंग के बावजूद भी जनपद में कुछ निजी अस्पताल संचालक ओटी की सील तोड़कर ऑपरेशन करते पाए गए हैं। बता दें कि प्राप्त जानकारी अनुसार क्षेत्र के गांव डींगरा निवासी काजल सैनी (26) पत्नी मोनू सैनी की ऑपरेशन के दौरान हालत बिगड़ गई, जिसके बाद अस्पताल संचालकों ने उन्हें मुरादाबाद रेफर कर दिया और रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया। हैरानी की बात यह है कि जिस अस्पताल में काजल का ऑपरेशन किया गया, उसका ऑपरेशन थिएटर (OT) स्वास्थ्य विभाग द्वारा पहले ही सील किया जा चुका था। मृतका के परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने उनकी जानकारी के बिना जोखिम भरा कदम उठाया। जब मामला हाथ से निकल गया तो गंभीर होने का बहाना बनाकर उन्हें रेफर कर दिया गया।इससे पहले नवाबपुरा के माधव नर्सिंग होम में भी जच्चा की मौत के बाद विभाग ने क्षेत्र के करीब एक दर्जन अवैध अस्पतालों की ओटी सील की थी। हाल ही में बिजनौर नर्सिंग होम में भी लोहे के डंडे काटकर बिना सील हटाए ऑपरेशन करने का मामला सामने आया था, जिसे पुलिस की मौजूदगी में दोबारा सील किया गया।सीएचसी प्रभारी डॉक्टर राहुल कुमार ने बताया कि महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अमरोहा भेज दिया गया है। उन्होंने पुष्टि की कि अस्पताल की ओटी पहले से सील थी, इसके बावजूद वहां नियमों के विरुद्ध ऑपरेशन किया जा रहा था। उच्चाधिकारियों ने मामले का संज्ञान लेते हुए अस्पताल संचालक के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई और प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने किया खुरपका-मुहंपका टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय पशु रोग नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत पूरे प्रदेश में खुरपका-मुहंपका टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कलैक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर अभियान का शुभारम्भ किया गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अमरोहा डा० आभा दत्त द्वारा अवगत कराया गया कि खुरपका-मुहंपका एक विषाणु जनित रोग है जो संकामक है तथा रोगी पशु से अन्य पशुओं में तेजी से फैलता है। इस रोग में पशुओं में तेज बुखार, मुंह में छाले तथा खुरे के बीच नर्म खाल में छाले हो जाते हैं जो उचित उपचार व सही देखभाल न होने से पक कर गहरे घावों में बदल सकते हैं। दुधारू पशुओं की उत्पादकता बुरी तरह प्रभावित होती है तथा गर्भित पशुओं में गर्भपात भी हो सकता है। उपचार से बचाव हमेशा बेहतर होता है। इसी कारण से जिलाधिकारी महोदया द्वारा जनपद के पशुपालकों से अपील की गई है कि सभी अपने पशुओं का टीकाकरण कराये तथा कान में छल्ला लगवाकर भारत पशुधन एप पर अपने पशुओं का पंजीकरण कराने में पशुपालन विभाग की टीम को सहयोग प्रदान करें। विकास खण्ड स्तर पर उपलब्ध बहुउददेशीय पशु चिकित्सा वाहनों के सहयोग से सभी विकास खण्डों में आज से टीकाकरण कार्यक्रम प्रारम्भ कर दिया गया है। सभी गौ आश्रय स्थलों पर संरक्षित गौवंश का भी शत-प्रतिशत टीकाकरण किया जायेगा। यह एक समयबद्ध कार्यकम है तथा 45 दिन की अवधि में पूर्ण किया जाना है। पशुपालन विभाग की टीम प्रत्येक ग्राम में जाकर निःशुल्क टीकाकरण करेगी व शासन से प्राप्त निदेर्शों के अनुपालन में डाटा भारत पशुधन एप पर अपलोड किया जायेगा। लगभग 6.06 लाख वैक्सीन जनपद को प्राप्त हुई है जिसका भण्डारण कोल्ड चेन में किया गया है।

स्वयं सहायता समूह देवकी' ने गरीबों के राशन पर डाला डाका, डीएम ने दिए जांच कर कार्रवाई के निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड जोया अंतर्गत ग्राम पंचायत अदलपुर ताज में एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां स्वयं सहायता समूह 'देवकी' राशन वितरण में अनियमितता बरत रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह समूह राशन कार्ड धारकों को प्रति यूनिट 5 किलो राशन की बजाय मात्र 4 किलो ही दे रहा है। साथ ही मनमानी तरीके से वितरण करने का भी इल्जाम लगा है।ग्रामीणों ने बताया कि लाखों रुपये की लागत से निर्मित अन्नपूर्णा भवन तो ग्राम पंचायत में मौजूद है, लेकिन डीलर अपने निजी आवास से ही राशन बांट रहा है। इससे भवन धूल फांक रहा है और सरकारी संसाधनों की बबार्दी हो रही है। लोग पूर्ति विभाग पर सवाल उठा रहे हैं कि ऐसे लापरवाह डीलरों, स्वयं सहायता समूहों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। उनका मानना है कि राशन डीलर को किसी विभागीय अधिकारी या राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिससे गरीबों के हक पर डाका डाला जा रहा है।इस मामले में जिलाधिकारी निधी गुप्ता वत्स ने गंभीरता दिखाई है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह के खिलाफ गहन जांच के आदेश दिए हैं। डीएम ने स्पष्ट कहा है कि जांच में यदि दोषी पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। अमरोहा में राशन वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन पहले भी कई कार्रवाई कर चुका है, जैसे अवैध राशन जब्ती और कोटेदारों की दुकानें निरस्त करना। यह घटना गरीबों के अधिकारों की रक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

अमरोहा में भाकियू शंकर का हल्ला बोल प्रदर्शन

चक्कालीलेट हाल्ट फाटक पर अंडरपास प्रस्ताव से भड़के ग्रामीण,ओवरब्रिज निर्माण की उठी मांग

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के चक्कालीलेट हाल्ट स्थित प्राथमिक विद्यालय प्रांगण में चौधरी देवराज सिंह की अध्यक्षता व दशरथ कौशिक के संचालन में भारतीय किसान यूनियन शंकर का धरना प्रदर्शन शुरू हुआ जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि चक्कालीलेट रेलवे फाटक संख्या 11/उ पर रेलवे प्रशासन द्वारा प्रस्तावित अंडरपास निर्माण योजना को लेकर क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश और चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस महत्वपूर्ण फाटक पर अंडरपास का निर्माण पूरे क्षेत्र के आवागमन, व्यापार, कृषि और औद्योगिक गतिविधियों पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। क्षेत्र के लगभग 20 ग्राम प्रधानों और जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर उत्तर रेलवे, मुरादाबाद के महाप्रबंधक को पत्र भेजते हुए अंडरपास के स्थान पर ओवरब्रिज (फ्लाईओवर) बनाए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह फाटक पूरे क्षेत्र का एकमात्र मुख्य मार्ग है, जो दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग और हरिद्वार (उत्तराखंड) राजमार्ग से क्षेत्र को जोड़ता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह मार्ग भविष्य में हाईवे के रूप में विकसित होने की पूरी संभावना रखता है। इसके अलावा, रेलवे प्रशासन द्वारा चक्कालीलेट क्षेत्र में कंटेनर डिपो स्थापित करने का प्रस्ताव भी प्रक्रिया में है, जिससे आने वाले समय में भारी वाहनों और ट्रकों की आवाजाही में भारी वृद्धि होगी। अंडरपास से भारी वाहनों को होगी परेशानी ग्रामीणों और व्यापारियों का कहना है कि यदि यहां अंडरपास का निर्माण किया गया, तो गन्ना ट्रैक्टर-ट्रॉली, ट्रक, कंटेनर वाहन और अन्य भारी वाहनों का आवागमन अत्यंत कठिन हो जाएगा। इससे न केवल कृषि उत्पादों की ढुलाई प्रभावित होगी, बल्कि व्यापार, उद्योग और क्षेत्रीय विकास को भी बड़ा झटका लगेगा। क्षेत्र के किसानों ने चिंता जताते हुए कहा कि गन्ना, अनाज और अन्य कृषि उत्पादों की ढुलाई इस मार्ग से होती है। अंडरपास बनने से ट्रैक्टर-ट्रॉली और बड़े वाहनों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़ेंगे, जिससे समय, ईंधन और लागत में बढ़ोतरी होगी। व्यापार और रोजगार पर पड़ सकता है असर,स्थानीय व्यापारियों और उद्यमियों का कहना है कि इस मार्ग से मंडी, बाजार और औद्योगिक क्षेत्रों तक आवागमन होता है। यदि यातायात बाधित हुआ, तो व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होंगी, जिससे रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचेगा। जनहित में ओवरब्रिज की मांग, क्षेत्रवासियों ने रेलवे प्रशासन से अपील की है कि जनहित और क्षेत्र के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अंडरपास के बजाय ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाए, जिससे छोटे और बड़े सभी प्रकार के वाहनों को सुविधाजनक और निर्बाध आवागमन मिल सके। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि ओवरब्रिज बनाना संभव न हो, तो वर्तमान फाटक को यथावत बनाए रखा जाए, ताकि आम जनता को भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो वे आंदोलन और विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। किसानों का कहना है कि यह मुद्दा केवल एक फाटक का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के भविष्य और विकास से जुड़ा हुआ है। निष्कर्ष,फाटक संख्या 11/उ पर प्रस्तावित अंडरपास योजना को लेकर क्षेत्र में बढ़ता विरोध अब एक जनआंदोलन का रूप लेता दिख रहा है। अब देखना यह होगा कि रेलवे प्रशासन क्षेत्रवासियों की भावनाओं और जनहित को कितना महत्व देता है। धरना स्थल पर रेलवे के रराए नवीन पाल जी वह विनय कुमार जी के साथ भारी पुलिस फोर्स के बीच आश्वासन दिया कि किसानों के बिना सहमति के फाटक संख्या 11/ उ पर अंडरपास नहीं बनाया जाएगा इस पर कार्यकारिणी ने प्रदर्शन स्थगित कर दिया कार्यक्रम में आज प्रदेश संरक्षक सुखबीर नाथ जी चौधरी धर्मवीर सिंह राकेश रतनपुर सत्यवीर सिंह विक्रम पवार राकेश रतनपुर मोनू चौधरी प्रधान महीपाल आफताब नईम अमित गुर्जर मनोज कश्यप राहुल प्रधान रवि उर्फ पप्पू गंगाराम राजेंद्र सिंह लाखन सिंह अनिल कुमार कुलवंत धर्मपाल आदित्य चौधरी प्रधान नरेश कुमार विपिन प्रधान जगपाल प्रधान वेदपाल वीरपाल मूलचंद आशा रानी सुमन देवी बबली देवी कोमल देवी कुसुम देवी पूनम देवी नीरज देवी ओमवती देवी पुष्पा देवी सविता देवी सुदेश प्रवेश देवी मुन्नी देवी रिंकू देवी मुनेश देवी पूजा देवी आदि हजारों किसान प्रधान मौजूद रहे।

प्रयुक्त उपखनिजों की असत्यापित मात्रा के सापेक्ष रायल्टी एवं खनिज मूल्य जगा कराये जाने के सम्बन्ध में बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में कार्यदायी संस्थाओं द्वारा निर्माण कार्यों में प्रयुक्त उपखनिजों की असत्यापित मात्रा के सापेक्ष रायल्टी एवं खनिज मूल्य जगा कराये जाने के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने उक्त के संबंध में विगत बैठक से अब तक की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन विभागों के लॉगिन आई0डी0 नहीं बनी है वह विभाग तत्काल लॉगिन आई0डी0 बनवा ले। जिलाधिकारी ने विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा विभागीय पोर्टल upmines.upsdc.gov.in पर की गयी Feeding के आधार पर Invaalid परिवहन प्रपत्रों के सापेक्ष रायल्टी, खनिज मूल्य व आई०एस०टी०पी० के रूप में वित्तीय वर्ष 2021-22 से गाह दिसम्बर, 2025 तक का जनपदवार आंकलन प्रेषित करते हुए बकाया धनराशि जमा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सम्बन्धित विभागों पर कार्यदायी संस्थाओं की यकाया देय धनराशियों का लेखाशीर्षक 0853001070001 में जमा कराये जाने को पूर्ण कर ले। उन्होंने कहा उक्त कार्य 31 जनवरी तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाए। इस अवसर पर अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग (प्रान्तीय खण्ड / निर्माण खण्ड / सी०डी०-1). अमरोहा, अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, अमरोहा, अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, अमरोहा, अधिशासी अभियन्ता, मध्य गंगा नहर निर्माण सिचाई खण्ड-4 जनपद अमरोहा, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका/नगर पंचायत और समस्त संबंधित कार्यदायी संस्था, जनपद अमरोहा आदि सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र के चित्र पर माल्या अर्पण कर की श्रद्धांजलि अर्पित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद की विधानसभा असमोली की वी एल ए बैठक ग्राम फरीदपुर खुशहाल मे विधायक आवास पर संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुइ विधायक पिंकी यादव ने कहा की विधानसभा से आये सभी वी एल ए का स्वागत है उन्होंने कहा अभी आपने एस आई आर का महत्वपूर्ण कार्य पुरा किया है जिसमें आपकी अहम भूमिका रही और आपने पार्टी को मजबूत करने का काम किया अब मैं आपको बताना चाहती हूं की नए वोट बनाने के लिए जुट जाए उन्होंने कहा मैचिंग के कार्य पर भी विशेष ध्यान रखें जो वोटर लिस्ट आपको दी जा रही है उसे देख ले समझ ले फिर अपने गांव के कार्यकताओं से मिलकर बूथ के बी एल ओ से वोट बनवाने ब ठीक कराने का काम करें उन्होंने कहा विधानसभा के कई गांव में निवासी ना होने के बावजूद भी उनके वोट बूथ पर पाए गए हैं एक-एक कार्यकर्ता ध्यान रखें बी एल ए के

साथ मिलकर अपने वोट बनवाने का काम करें एवं घर-घर जाकर ग्राम वासियों को जागरूक करने का काम करें आज चुनाव आयोग की मदद से देश प्रदेश की सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी के लोग फर्जी बोट बनाने में लगे हैं बहुत जगह से शिकायत आई है जिनकी जानकारी मुझे है अगर वी एल ओ ने हमारे बी एल ए एवं समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता की बात को नहीं सुना तो उच्च अधिकारियों से शिकायत कर कार्य को अंजाम दिया जाएगा बैठक को संबोधित करते हुइ जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा असमोली विधानसभा के सभी बीएलओ जिले के पदाधिकारी विधानसभा के पदाधिकारी ब्लॉक के पदाधिकारी वरिष्ठ नजन जिला पंचायत सदस्य प्रधानी लड़ने वाले साथी गणों सब का सहयोग लेकर नए वोट बनाने का काम करें जिससे आने वाले चुनाव में समाजवादी पार्टी मजबूत होकर सरकार बनाएं प्रमोद यादव विधायक प्रतिनिधि असमोली ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे फक्र है कि मेरी विधानसभा असमोली के सभी बी एल ए मजबूती से जनता के बीच कार्य कर रहे हैं मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं और उम्मीद करता हूं किसी तरह विधायक का साथ देने का काम करेंगे वरिष्ठ नेता सतीश प्रेमी ने कहा कि सभी को मिलकर अपने वोट बनाने चाहिए जिससे लोकतंत्र मजबूत होगा आने वाले चुनाव में समाजवादी पार्टी को लाभ मिलेगा जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि विधायक पिंकी यादव के नेतृत्व में सभी बी एल ए असमोली विधानसभा में अच्छा काम कर रहे हैं सभी का मैं धन्यवाद करता हूं बैठक में समाजवादी पार्टी के प्रखर नेता छोटे लोहिया स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि मनाई गई विधायक पिंकी यादव एवं जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी जिले व नगर विधानसभा के पदाधिकारी सेक्टर प्रभारी जोन प्रभारी वी एल ए सभी ने स्वर्गीय जनेश्वर मिश्रा के चित्र पर माला अर्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की संचालन विधानसभा अध्यक्ष ताहिर उल्ला खान ने किया विधासभा अध्यक्ष सतीश प्रेमी सकुन प्रेमी विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव शोभित कुमार काका अशोक यादव डा जाकिर साहब अशोक यादव सजीव यादव सुनील यादव गुल्लू यादव देवव्रत यादव अमरीश यादव आशिक इकबाल रियासत भाई साविर खान शिवम यादव मनीष यादव ताज मौ शिवम यादव जबर सिंह उमेश यादव राजेश यादव अमर पाल यादव सुरज यादव लाल बहादुर यादव सूर्य प्रताप सिंह भगवान दास यादव प्रशांत अतराशी ए पी शमा चेतन गुप्ता राहुल यादव रोहित यादव कुबर पाल यादव नीरज यादव रामखिलाडी यादव सुभाष यादव दिनेश यादव सुदेश यादव अरिविनद यादव रामखिलाडी शमा प्रवीं शर्मा शर्मा अरविंद शर्मा लालू प्रसाद खड़गबसी शिवनरायन यादव रामवीर सिह यादव प्रेम शंकर यादव रावेंद्र यादव नानू प्रतीक लव कुमार रघुराज सिंह विनीस कुमार राजपाल सिह मोहित यादव जीराज सिंह खडगबसी सोमवीर यादव मुकेश कुमार भूपेंदर यादव उदयवीर यादव अरविन्द यादव विधाराम यादव हरीओम यादव ओमशरन भगत जी राहुल यादव रामभरोसे यादव धर्मवीर सिंह यादव नवाब सिंह यादव प्रवीं शर्मा मोहन लाल आदि उपस्थित रहे।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत बालिकाओं को दिया गया प्रशिक्षण

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिदेर्शों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म रक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत गुरुवार को चंदौसी के सरोजिनी नायडू, नेहरू कंपोजिट तथा विनोबा भावे जूनियर हाई स्कूल की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला कर सकें, प्रशिक्षक सुरेश कुमार व पूर्वी, शिवानी, संतराम व ब्रिजेश ने छात्राओं को साइड किक, फ्रंट जंप किक, फेस पंच की ट्रेनिंग दी, सुरेश कुमार ने बताया कि छात्राएं पहले दिन से ही आत्मरक्षा सीखने में काफी रुचि ले रही हैं' जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा ' आज से छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार और महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, घरलू हिंसा, छात्रवृति आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया जाएगा। ताकि बालिकाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी हो सके '

जनपद में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का होगा भव्य रूप से आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०)/ उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने अवगत कराया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में जिले में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2026 को भव्य रूप से मनाये जाने के संबंध में निर्देश दिए गए हैं श गरिमा सिंह ने बताया कि मा0 आयोग ने दिनांक 25 जनवरी 2026 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम "My India, My Vote" के अनुसार स्कूल व शैक्षणिक संस्थाओं में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियां जैसे debates, discussions, competitions (including drawing, skit, song, painting, essay etc. आयोजित करने एवं शैक्षणिक संस्थाओं में

राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। आयोग द्वारा यह भी निर्देश दिये गये हैं कि राज्य के सरकारी कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों को राष्ट्रीय मतदाता की शपथ पूर्वा 11:00 बजे अथवा सुविधानुसार दिलाई जायें। 25 जनवरी 2026 को साप्ताहिक अवकाश (रविवार) है। 25 जनवरी 2026 को साप्ताहिक अवकाश होने की स्थिति में शासकीय कार्यालय बन्द होने के फलस्वरूप 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ ग्रहण समारोह दिनांकः 25 जनवरी, 2026 अथवा 24 जनवरी, 2026 अथवा 23 जनवरी, 2026 को आयोजित किये जानें हेतु निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के कार्यक्रमों/गतिविधियों के अच्छी गुणवत्ता के फोटोग्राफ्स /वीडियो जिला निर्वाचन कार्यालय, को उपलब्ध कराये जाने है। उक्त के साथ ही उक्त कार्यक्रम के फोटोग्राफ्स को हैशटैग #NVD2026 के साथ अपने-अपने सोशल मीडिया हैण्डल्स या वेबसाइट पर अपलोड किया जाये। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी समस्त विभागाध्यक्ष / कार्यालयाध्यक्ष से अनुरोध करते हुए कहा कि आयोग के निदेर्शानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदात दिवस 25 जनवरी, 2026 के अवसर पर अपने अधीनस्थ अधिकारियों/ कर्मचारियों को शपथ ग्रहण कराकर आयोजित कार्यक्रम के फोटोग्राफ्स एवं वीडियों जिला निर्वाचन कार्यालय, अमरोहा की ई-मेल आईडी adeo-jpn@nic.inपर उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

अंबेडकर स्कूल में वार्ष्णेय महिला वेलफेयर समिति का सेवा कार्यक्रम

बच्चों को टिफिन, पेंसिल बॉक्स व अन्य सामग्री वितरित, चेहरे पर दिखी मुस्कान

संभल (सब का सपना):- सरायतरीन हयातनगर स्थित अंबेडकर स्कूल में वार्ष्णेय महिला वेलफेयर समिति द्वारा बच्चों के लिए सेवा व सहयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत समिति की महिलाओं ने स्कूल पहुंचकर बच्चों को टिफिन, पेंसिल बॉक्स, टोपी, बिस्कुट सहित अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे स्कूल परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर वार्ष्णेय

महिला वेलफेयर समिति की दीपा वार्ष्णेय ने कहा कि बच्चों की शिक्षा और उनकी बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखना समिति का मुख्य उद्देश्य है, और इस तरह के प्रयास आगे भी लगातार जारी रहेंगे। वहीं मोना वार्ष्णेय ने कहा कि बच्चों की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना ही सामाजिक कार्यों की असली सफलता है। नीलिमा वार्ष्णेय ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि जब बच्चों के चेहरों पर मुस्कान आती है,

तो सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा और अधिक बढ़ जाती है। कार्यक्रम के दौरान समिति की अन्य सदस्याएं और स्कूल स्टाफ भी मौजूद रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में दीपा, नीलिमा, मोना, पारूल, रेखा, वावी, खुशबू, रश्मि, निकेता, अंजलि, रजनी, रचना, मधुरिमा, पूनम सहित अन्य सदस्यों का योगदान सराहनीय रहा।

गढ़मुक्तेश्वर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की तीसरी वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई

श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनि धाम मंदिर में दीप प्रज्वलन व विशाल भंडारे का आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालु रहे मौजूद

गढ़मुक्तेश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गुरुवार को तीसरी वर्षगांठ गढ़मुक्तेश्वर तहसील रोड स्थित प्राचीन श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनि धाम मंदिर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनि धाम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं समाजसेवी पंकज लोधी के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर सनातन वाहिनी भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रामदास महाराज एवं गढ़मुक्तेश्वर के उप जिलाधिकारी राम यादव ने संयुक्त रूप से शनि देव भगवान के स्तंभ पर दीप प्रज्वलित किया तथा पंचमुखी हनुमान बाबा की मूर्ति के समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर पुण्य लाभ अर्जित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय किसान यूनियन संयुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र चौधरी, विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष सनोज कुमार, विजय शर्मा, हरीश पुरुषोत्तम, जय सिंह राणा, संजय, कुमरपाल लोधी, गोकुल सिंघल, मनीष, सभासद विनय, सभासद सतवीर चौहान, एडवोकेट बबलू सहगल, भगवत प्रजापति, राजू कश्यप, दीपक वर्मा, दीपेंद्र, राजेंद्र नगर, उदयवीर अहेरिया, सिद्ध सिंह खड़कवंशी, उमेश लोधी, महेंद्र सैनी, बबली शर्मा, केके पांडियन सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूरे कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा और जय श्रीराम व शनि देव के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा।

पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/ बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक

किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

नागरिक सुरक्षा वार्डन प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन मंत्री धर्मवीर प्रजापति रहे मुख्य अतिथि

बबराला/संभल(सब का सपना):- भारत सरकार द्वारा प्रायोजित वार्डन स्वयंसेवक क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के चौथे दिन नागरिक सुरक्षा नरौरा (बुलंदशहर) के तत्वावधान में बगीचा मैरिज होम, बबराला में आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा प्रभारी मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में वार्डन नागरिक सुरक्षा कोर नरौरा योगेंद्र सिंह यादव ने नागरिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। उप जिलाधिकारी गुन्नौर ने प्रशिक्षण को आपदा के समय जीवन रक्षा में उपयोगी बताया। मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने नागरिक सुरक्षा के कार्यों के प्रचार-प्रसार, जल संरक्षण और प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैलों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले वार्डनों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, उप नियंत्रक अनुराधा सिंह, उप जिलाधिकारी अवधेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

धनौरा में सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंडी धनौरा में गजरौला-चांदपुर मार्ग स्थित 'दा सेलिब्रेशन ग्रैंड' में गुरुवार को सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में एक हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए संतों, विद्वानों और समाजसेवियों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण और समाज में समरसता व जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय महामंत्री श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महंत डॉ. कर्णपुरी महाराज थे। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदू संस्कृति की प्राचीनता और उसकी रक्षा के लिए एकजुटता पर जोर दिया। उनके सानिध्य में उपस्थित लोगों ने सांस्कृतिक गरिमा को बनाए रखने

का संकल्प लिया।मुख्य वक्ता के रूप में कन्या गुरुकुल महाविद्यालय चोटीपुरा की आचार्या डॉ. सुमेधा ने नारी सशक्तिकरण, शिक्षा के महत्व और हिंदू संस्कारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षित और जागरूक मातृशक्ति ही राष्ट्र के उत्थान की आधारशिला है।मेरठ प्रांत के सह प्रांत प्रचारक आनंद ने राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक चेतना जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी गौरवशाली परंपराओं को पहचानें और कुरीतियों का त्याग कर समाज हित में कार्य करें।सम्मेलन के दौरान विभिन्न वैचारिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें सामाजिक एकता और धार्मिक प्रवचनों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।आयोजन समिति ने बताया कि इस मंच के जरिए युवाओं को पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव से बचाकर अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया गया।कार्यक्रम के अंत में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साधु-संत, मातृशक्ति, युवा और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

आयोजन समिति ने सम्मेलन की सफलता पर क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर अनूप अग्रवाल, रीता त्यागी, हेमंत सारस्वत, अखिलेश भाटी, अंकित शर्मा, सूरज अग्रवाल, सत्येंद्र कुमार, राजपाल सिंह और जंगबहादुर सहित कई लोग मौजूद रहे।

हिन्दू संगठनों में उबाल, वायरल वीडियो से गरमाया माहौल

सोशल मीडिया पर आरोपों के बाद नहटौर पुलिस सक्रिय, जांच शुरू

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना) ओमपाल सिंहः- जनपद के नहटौर क्षेत्र में सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने माहौल गरमा दिया है। वीडियो में एक स्थानीय युवक पर भगवान श्रीराम के विरुद्ध अपमानजनक शब्दों और गालियों के प्रयोग के आरोप लगाए गए हैं। वीडियो के सामने आते ही मामला तेजी से तूल पकड़ गया और हिंदू संगठनों में रोष व्याप्त हो गया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर @ram_avatar_sena नामक हैंडल से पोस्ट किया गया, जिसमें युवक को नहटौर क्षेत्र का निवासी बताया गया है। पोस्ट के साथ पुलिस प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप और कानूनी कार्रवाई की मांग की गई, जिसके बाद यह प्रकरण संवेदनशील हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिजनौर पुलिस ने भी उसी सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि नहटौर थाना प्रभारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दे दिए गए हैं। पुलिस की इस त्वरित प्रतिक्रिया के बाद प्रशासनिक स्तर पर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी गई। वीडियो वायरल होने के बाद विभिन्न हिन्दू संगठनों के पदाधिकारी नहटौर थाने पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई। संगठनों का कहना है कि धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले ऐसे कृत्य समाज में तनाव और अशांति का कारण बन सकते हैं, इसलिए आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। प्रकरण की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक बिजनौर ने भी मामले का संज्ञान लिया और नहटौर पुलिस को निष्पक्ष व त्वरित जांच के निर्देश दिए। पुलिस का कहना है कि वायरल वीडियो की सत्यता, आरोपी की पहचान और उसकी भूमिका की गहन जांच की जा रही है। फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जांच के तथ्यों के आधार पर दोषी पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वोटर लिस्ट पुनरीक्षण अभियान तेज, नगीना तहसील में 8462 मतदाताओं को नोटिस

बिजनौर (सब का सपना):- मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (SIR) के तहत प्रशासन ने नगीना तहसील क्षेत्र में कार्रवाई तेज कर दी है। अभियान के अंतर्गत बिना मैपिंग और संदिग्ध पते वाले मतदाताओं की पहचान करते हुए अब तक 8462 मतदाताओं के घर नोटिस भेजे जा चुके हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) द्वारा घर-घर सत्यापन किया जा रहा है। जिन मतदाताओं का पता मतदाता सूची में स्पष्ट नहीं है या जो अपने दर्ज पते पर नहीं पाए गए, उन्हें नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस मिलने के बाद संबंधित मतदाताओं को 7 दिन के भीतर सुनवाई के लिए उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। निर्धारित समय सीमा में पक्ष न रखने की स्थिति में नाम सूची से हटाने की कार्रवाई भी की जा सकती है। प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य गलत पते, फर्जी और स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान कर मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना है। पूरा मामला नगीना तहसील क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जहां पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से लागू किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी ताकि आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध की जा सके।

सहसपुर के पास दर्दनाक सड़क हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा नगर से मुरादाबाद की ओर जाते समय सहसपुर क्षेत्र के निकट हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान दिनेश सागर पुत्र सुरेश चंद्र, निवासी ग्राम फकीरगंज, थाना कांड, उम्र करीब 28 वर्ष के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनेश सागर मोटरसाइकिल से मुरादाबाद की ओर जा रहा था। सहसपुर के पास अचानक उसकी बाइक फिसल गई, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बाइक पर उसके साथ एक अन्य व्यक्ति भी सवार था, जिसे किसी प्रकार की चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय शिविर का समापन

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना संवाददाता):- आर एस पी इंटर कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का सात दिवसीय शिविर मंडोरी में संपन्न हुआ। शिविर के अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नशा मुक्ति जागरूकता दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि रसायन विज्ञान प्रवक्ता पंकज छावड़ा ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने 7 दिनों तक ग्रामीण लोगों को शिक्षा दहेज प्रथा नशा मुक्ति सामाजिक बुराइयों से अवगत कराते हुए दूर रहने का आह्वान किया जो उल्लेखनीय है। कार्यक्रम अधिकारी रामसेवक ने कहा कि नशा मुक्ति एक सामाजिक बुराई है,जो हमारे देश ,समाज और युवाओं को खोखला कर रही है। इसे हर हाल में त्यागना होगा तभी हमारे देश और समाज की भलाई होगी।

स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविका ने समस्त ग्रामवासियों को नशा मुक्ति को त्यागने के लिए जागरूक किया।इस अवसर पर स्वयं सेविका, मुस्कान, अल शिफा शुमायला , स्वीटी भूमिका ने देशभक्ति गाने पर नृत्य किया और स्वयं सेविकाओं ने नशा मुक्ति, स्वच्छता पर नाटक प्रस्तुत किया।

कार की टक्कर से घोड़ा बुग्गी चालक की मौत

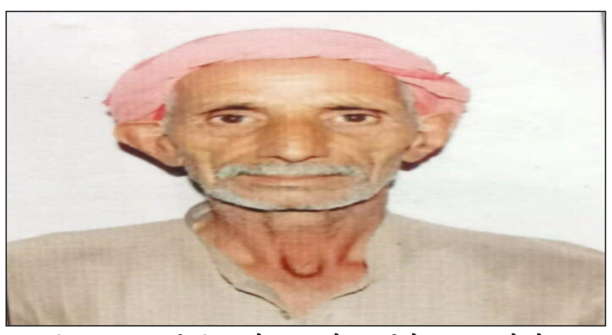

बिजनौर।(सब का सपना):- तेज रफ्तार मारुति कार ने घोड़ा बुग्गी मे पीछे से टक्कर मार दी। घोडा बुग्गी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोतवाली देहात में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हाल देखते हुए चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। बुग्गी चालक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनो मे कोहराम मच गया। पुलिस ने चालक व कार को अपने कब्जे मे लिया। थाना क्षेत्र के गांव रहमापुर निवासी रघुवीर सिंह प्रजापति पुत्र बनवारी सिंह घोड़ा बुग्गी चलाकर अपने परिवार का लालन पोषण करते थे। गुरुवार को वह अपने घर से घोड़ा बुग्गी लेकर कोतवाली देहात आ रहे थे। थाना क्षेत्र के गांव बनवारीपुर के सामने बिजनौर दिशा से आ रही मारुति स्विफ्ट करने पीछे से घोड़ा बुग्गी में टक्कर मार दी जिसमे रघुवीर सिंह बुरी तरह से घायल हो गए राहगीरों ने उनको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोतवाली देहात में भर्ती कराया उनकी नाजुक हालत देखते हुए चिकित्सकों ने बिजनौर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने रघुवीर को मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे वीरेंद्र ने पुलिस को तहरीर सौपी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

स्वयंसेवक, सेविकाओं ने नगर में रैली निकालकर यातायात सुरक्षा के संबंध में दी जानकारी

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- सड़क -सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत एम.एम.इंटर कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक, सेविकाओं ने नगर में रैली निकालकर यातायात सुरक्षा के संबंध में जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया। गुरुवार की सुबह एम.एम.इंटर कालेज से शुरू हुई रैली को प्रधानाचार्य शाहिद अली गौहर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, रैली नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई वापस कालेज पहुंचकर संपन्न हुई , रैली में नारों के माध्यम से लोगों को यातायात सुरक्षा के संबंध में जानकारी देकर जागरूक किया गया ,रैली में कार्यक्रम अधिकारी रामकुमार सिंह गौतम , शहजाद अहमद के अतिरिक्त एस आई सोहन सिंह पुंडीर पुलिस कर्मियों के साथ मौजूद रहे , कार्यक्रम का संचालन शहजाद अहमद ने किया। इस अवसर पर शिक्षक सोमदेव सिंह, संजीव कुमार, जितेंद्र कुमार तथा सहायक पूनम रानी, अमरजीत, अश्वनी आदि मौजूद रहे।

दिल्ली के कितने भयावह हालात, दो फीट गंदे पानी और कचरे से गुजरते हैं लोग; एक माह से कोई सुध लेने वाला नहीं

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में किराड़ी की शर्मा कॉलोनी के समीप खाली मैदान को लैंडफिल साइट के कचरे से भरने की कोशिश हजारों लोगों के लिए आफत बन गई है। खाली मैदान में जमा पानी अब कचरे के साथ गलियों व घरों में घुसने के कारण शर्मा कॉलोनी के हालात बद से बदतर हो गए हैं। स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्ग, सभी को एक से दो फीट पानी और कचरे से भरी गलियों के बीच से गुजरना पड़ता है। गंदे पानी व कचरे से बजबजा रहीं गलियों के बीच से आवाजाही के लिए लोग व स्कूली बच्चे लॉन्ग बूट (ऊंचे जूते) पहन कर अपने घरों में आते-जाते हैं। हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि कॉलोनी की 40 में से 25 गलियों में गंदा पानी व कचरा जमा है। जिनके मकान गली के लेवल से नीचे हैं, उनके घरों के भीतर भी पानी जमा है। यह हालात एक महीने से भी अधिक समय से बने हुए हैं। छह हजार से ज्यादा आबादी प्रभावित है। लोगों का कहना है कि इतने नारकीय हालात देखकर महसूस ही नहीं होता कि वे लोग देश की राजधानी में रहते हैं। लगभग एक महीने पहले शर्मा कॉलोनी के पास खाली जमीन में लैंडफिल साइट का कचरा से भरने की वजह से पानी के साथ कचरा कालोनी में घुसना शुरू हुआ था। कॉलोनी की अधिकतर गलियों के साथ लोगों के घरों में पानी घुस गया। कॉलोनी के इस स्थिति की वजह से लोग पलायन करने को मजबूर हो चुके है। बीते एक-डेढ़ महीने पहले शुरू हुए तालाब के भराव के कार्य की बाद धीरे-धीरे कॉलोनी की गलियों में जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। गलियों में एक से डेढ़-दो फीट पानी भरा हुआ है। कॉलोनी में निकास न होने की वजह से बीते छह माह से कॉलोनी में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इस कारण जनजीवन बुरी तरीके से प्रभावित हो रहा है। बता दें कि गलियों से घरों तक तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। गलियों में भरे पानी पर लैंडफिल साइट का कचरा तैरता हुआ नजर आ रहा है। स्कूली बच्चे, महिलाएं व बुजुर्ग सहित अन्य लोग लान्ग बूट इस गंदे पानी के बीच पानी से गुजरते हुए नजर आए।

नाबालिग बेटी से दुष्कर्म मामले में दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला, दोषी पिता की उम्रकैद की सजा रखी बरकरार

नई दिल्ली। नाबालिग बेटी से दुष्कर्म कर उसे गर्भवती करने के दोषी पिता की उम्रकैद की सजा को दिल्ली हाई कोर्ट ने बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि अपने बच्चे की सुरक्षा करना एक पिता का फर्ज है और इस तरह के कृत्य के लिए उसे कोई रियायत नहीं दी जा सकती। अदालत ने दोषी करार देने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को बरकरार रखते हुए दोषी व्यक्ति की अपील याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि भले ही पीड़िता और उसकी मां ट्रायल के दौरान अपने बयान से पलट गई थीं, लेकिन व्यक्ति को इस आधार पर राहत नहीं दी जा सकती है। घटना के दौरान कितनी थी पीड़िता की उम्र? पीठ ने भ्रूण के डीएनए टेस्ट के नतीजे को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला कि अपीलकर्ता ने अपनी ही बेटी के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे और एक पिता व बेटी के रिश्ते को देखते हुए एक भयानक अपराध था। घटना के दौरान पीड़िता की उम्र 14 साल की थी। मामले पर टिप्पणी करते हुए पीठ ने कहा कि परिवार की सामाजिक परिस्थितियां और आर्थिक स्थिति ने पीड़िता और उसकी मां को विरोधाभासी बयान देने या अपने बयान से पलटने के लिए मजबूर किया होगा। हालांकि, ऐसे मामलों में कोर्ट रिकार्ड पर आए वैज्ञानिक सुबूतों को पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं कर सकता। पीठ ने यह भी कहा कि अदालत की राय में सजा को निलंबित करने की मांग वाली अर्जी पूरी तरह से बेकार है। ट्रायल कोर्ट ने जुलाई 2025 में अपीलकर्ता को भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पाक्सो) अधिनियम के तहत दुष्कर्म, गंभीर यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी के अपराधों के लिए दोषी ठहराया था। ट्रायल कोर्ट ने अगस्त 2025 में उसे उम्रकैद की सजा सुनाई थी। प्राथमिकी के अनुसार पीड़िता उस समय तीन महीने की गर्भवती थी और अपनी मां के साथ पुलिस स्टेशन गई थी। पीड़िता ने बताया था कि जब वह सो रही थी तो उसके पिता ने जबरदस्ती उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे।

'फर्जी है आतिशी का वीडियो', पंजाब पुलिस ने दिल्ली विधानसभा के नोटिस पर जवाब भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी से जुड़े गुरु अपमान वीडियो मामले में पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को दिल्ली विधानसभा के नोटिस पर जवाब भेजा है। पंजाब पुलिस ने आतिशी द्वारा सदन में गुरुओं के अपमान किए जाने के वीडियो को एडिटेड और फर्जी बताया है। पंजाब पुलिस ने कहा कि फोरेंसिक रिपोर्ट से साबित हुआ है कि वीडियो में गुरु शब्द का इस्तेमाल नहीं है। माहौल खराब करने के उद्देश्य से एडिटेड वीडियो पोस्ट किया गया है। एडिटेड वीडियो पर कानून के प्रावधानों के अनुसार एफआईआर दर्ज किया गया है। साथ ही यह भी कहा कि पंजाब पुलिस कि जवाबदेही कोर्ट और केस से संबंधित मजिस्ट्रेट को है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली विधानसभा के सत्र के दौरान आप नेता आतिशी ने सदन में एक बयान दिया था, जिसे लेकर भाजपा ने उन पर सिख समुदाय का अपमान करने का आरोप लगाया था। इस मामले में आतिशी ने आरोपों को निराधार बताते हुए विशेषाधिकार समिति के नोटिस पर जवाब दिया और कहा, मैंने गुरुओं का अनादर नहीं किया, विवाद उत्पन्न करने के लिए मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है।

इंडिगो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष की छुट्टी, लगाया 22 करोड़ का जुमार्ना; कोर्ट ने रिफंड पर 3 हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए एडिशनल सालिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने पीठ को सूचित किया कि इंडिगो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष को नौकरी से निकालने के लिए कहा गया है और 22 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुमार्ना लगाया गया है। इसके साथ ही कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को चेतावनी दी गई है। केंद्र सरकार की तरफ सीलबंद लिफाफे में दाखिल की गई रिपोर्ट को रिकार्ड पर लेते हुए अदालत ने कहा कि रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखा जाए। अदालत ने रिकार्ड पर लिया कि डीजीसीए द्वारा कार्रवाई रिपोर्ट भी फाइल की गई है। रद टिकटों का किया जा रहा रिफंड से भी रिकार्ड पर ले लिया गया है। अदालत को यह भी बताया कि रद किए गए टिकटों का रिफंड किया जा रहा है या है। हालांकि, यह भी बताया कि विमान रद होने के साथ ही एयरपोर्ट पर फंसे रहने वाले यात्रियों के लिए मुआवजा की प्रक्रिया पर काम किया जा रहा है और जल्द से जल्द इसका भुगतान किया जाएगा। इस पर पीठ ने एयरलाइन्स को तीन सप्ताह के अंदर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले पर अगली सुनवाई 25 फरवरी को होगी।

गणतंत्र दिवस परेड 2026 में 17 राज्यों और 13 विभागों की झांकियां तय, कौन से राज्य बाहर और क्या है थीम?

नई दिल्ली। इस साल गणतंत्र दिवस परेड में कर्तव्य पथ पर 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तथा 13 केंद्र सरकार के विभागों की कुल 30 झांकियां हिस्सा लेंगी। इन झांकियों की थीम 'स्वतंत्रता का मंत्र वंदे मातरम् एवं समृद्धि का मंत्र-आत्मनिर्भर भारत' रखी गई है। झांकियों में भाग लेने वाले राज्य और विभाग वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने और आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित मुख्य विषय के साथ, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और मंत्रालयों की 30 झांकियां एकता, आत्मनिर्भरता और समावेशी राष्ट्रीय प्रगति को प्रदर्शित करेंगी। अपनी झांकी प्रस्तुत करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, नगालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और पंजाब शामिल हैं। वायु सेना मुख्यालय, नौसेना मुख्यालय, सैन्य मामलों के विभाग, संस्कृति मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, आयुष मंत्रालय, गृह मंत्रालय (एनडीएमए-एनडीआरएफ), गृह मंत्रालय (बीपीआरडी), आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (सीपीडब्ल्यूडी) सूचना और प्रसारण मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भी अपनी झांकियां प्रस्तुत करेंगे। भाग न लेने वाले राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इस बार झांकियों में हिस्सा न लेने वाले प्रमुख राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा, सिक्किम, मेघालय, झारखंड, गोवा, दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। पिछले दो दशकों में सात बार अपनी झांकी पेश कर चुकी दिल्ली का का चयन इस बार नहीं हुआ। बताया जाता है कि रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाली स्क्रीनिंग कमेटी परेड के लिए प्रतिभागियों का चयन करने के लिए एक विस्तृत प्रक्रिया अपनाती है। इसके अलावा, पिछले दो वर्षों से एक रोटेशन नीति (बारी-बारी से मौका देने की नीति) भी लागू की गई है, जो यह सुनिश्चित करती है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को समय के साथ भाग लेने का अवसर मिले। पद्म पुरस्कार विजेता होते हैं शामिल विशेषज्ञ समिति में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकार और पद्म पुरस्कार विजेता शामिल होते हैं। यही समिति झांकी के विषय (थीम), सौंदर्यबोध और मानकों पर निर्णय लेती है और विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सरकारी विभागों के प्रस्तावों की जांच करती है। एक अधिकारी ने कहा, "कई राज्य स्क्रीनिंग कमेटी की चयन प्रक्रिया में सफल नहीं हो पाए क्योंकि कमेटी विषय, अवधारणा (कॉन्सेप्ट), डिजाइन और दृश्य तत्वों (विजुअल एलिमेंट्स) जैसे विभिन्न पहलुओं की बारीकी से जांच करती है।"

हरियाणा मेट्रो के लिए निजी जमीन सीधे खरीदेगी सरकार, मना करने पर होगा ये कार्रवाई

हरियाणा सरकार ने मेट्रो प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए एक नई पॉलिसी लागू की है

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने मेट्रो प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए एक नई पॉलिसी लागू की है। इस पॉलिसी के तहत अब मेट्रो रेल लिमिटेड को आने वाले मेट्रो कॉरिडोर के लिए जरूरी प्राइवेट जमीन सीधे बातचीत के जरिये खरीदने की अनुमति मिल गई है। सरकार ने यह भी साफ किया है कि अगर कोई जमीन मालिक बेचने से इनकार करता है या तय प्रक्रिया में सहयोग नहीं करता, तो जमीन को केंद्रीय कानून के तहत अनिवार्य रूप से अधिग्रहित किया जा सकता है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट ने इस संबंध में 8 जनवरी को नोटिफिकेशन जारी किया। यह पॉलिसी 29.05 किलोमीटर लंबे मिलेनियम सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक बनने वाले मेट्रो कॉरिडोर पर लागू होगी। यह कॉरिडोर गुरुग्राम के कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान का अहम हिस्सा है, जिसके तहत साल 2041 तक करीब 200 किलोमीटर का मेट्रो और मास ट्रांज़िट नेटवर्क विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि मेट्रो लाइन का बड़ा हिस्सा सरकारी जमीन से होकर गुजरेगा, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि कुछ ऐसे हिस्से हैं जहां

निजी जमीन से बचना संभव नहीं है। इनमें मौजूदा इमारतों के पास बनने वाले वायडक्ट सेक्शन, कुछ संरचनाओं को हटाने की जरूरत और मेट्रो डिपो से जुड़ा एक छोटा लेकिन जरूरी निजी भू-भाग शामिल है। एक अधिकारी के अनुसार, इन जमीन के टुकड़ों को समय पर हासिल न किया गया तो पूरे मेट्रो प्रोजेक्ट की समय-सीमा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने बताया कि मौजूदा कानून के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया कानूनी रूप से मजबूत जरूर है, लेकिन इसमें काफी समय लगता है। इसमें कई चरण होते हैं, जैसे नोटिफिकेशन जारी करना, सामाजिक प्रभाव आकलन, आपत्तियों की सुनवाई और कानूनी इंतजार, जिससे प्रक्रिया कई सालों तक खिंच जाती है। इसी देरी से बचने के लिए हरियाणा सरकार ने म्यूचुअल नेगोशिएशन के जरिये डायरेक्ट परचेजह्ल का मॉडल अपनाया है। इसके तहत जमीन मालिकों को 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के तहत मिलने वाले सामान्य मुआवजे से 25 प्रतिशत अधिक राशि दी जाएगी। इस बढ़ी हुई रकम में पुनर्वास और पुनर्स्थापन से जुड़े लाभ भी शामिल माने जाएंगे।सरकार ने यह भी तय किया है कि जमीन का भुगतान सीधे जमीन मालिक के बैंक खाते में इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर के जरिये किया जाएगा। जमीन के रजिस्ट्रेशन पर किसी तरह की स्टाम्प ड्यूटी नहीं लगेगी और पूरी लागत ऋह्ण्फ्छ वहन करेगी।

यहां बना देश का पहला कुत्तों का श्मशान घाट, इस तरीके से होगा अंतिम संस्कार मोर्चरी वैन की भी सुविधा

फरीदाबाद : फरीदाबाद में देश का पहला कुत्तों का श्मशान घाट तैयार किया गया है। यह शहर की स्वच्छता को मजबूती देने के साथ लावारिस और पालतू कुत्तों के प्रति मानवीय जिम्मेदारी का भी उदाहरण बनेगा। बूढ़ेना गांव में यह श्मशान घाट तैयार हो चुका है। यहां उपलों से कुत्तों का अंतिम संस्कार होगा। यह श्मशान घाट पूर्व आईएएस और सेवानिवृत्त मुख्य सचिव सुनील गुलाटी के सहयोग से तैयार किया गया है। नगर निगम के साथ इसका संचालन किया जाएगा। सड़क किनारे, खाली प्लॉट या कूड़े के ढेर पर पड़े कुत्तों के शव दुर्गंध फैलाने के साथ बीमारी व संक्रमण का खतरा बढ़ाते थे। ऐसे में यह पहल शहर के लिए एक बड़ी राहत के रूप में देखी जा रही है। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी नीतीश परवाल ने बताया, निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा के निर्देश पर निगम तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने बताया, यह देश का पहला ऐसा श्मशान घाट होगा, जहां कुत्तों का अंतिम संस्कार उपलों से किया जाएगा। इस श्मशान घाट की एक खास बात यह है कि कुत्तों के शव को लाने के लिए मोर्चरी वैन की भी व्यवस्था की गई है। अब किसी इलाके में कुत्ते की मौत होने पर लोग शव को इधर-उधर फेंकने को मजबूर नहीं होंगे। निगम की टीम सूचना मिलने पर शव को सुरक्षित तरीके से श्मशान घाट पहुंचाएगी।

टोहाना में मेडिकल की दुकान सील, छापेमारी के दौरान मिली एक्सपायरी डेट की दवाएं

टोहाना : टोहाना में रेलवे रोड स्थित जनता मेडिकल दुकान को ड्रग कंट्रोलर झज्जर की टीम ने सील कर दिया है। छापेमारी के दौरान दुकान से भारी मात्रा में एक्सपायरी डेट की दवाएं मिलीं है। मालिक द्वारा दुकान के बाहर दुकान का नाम भी नहीं लिखा था। यह कार्रवाई जिला ड्रग कंट्रोलर झज्जर प्रतिभा यादव के नेतृत्व में की गई। विभाग को शिकायत मिली थी कि इस दुकान पर नशा बेचा जा रहा है। शिकायत के बाद चंडीगढ़ रोड चौकी पुलिस इंचार्ज ओमप्रकाश जांगड़ा के साथ मिलकर टीम ने दुकान पर छापा मारा। जांच में न केवल भारी मात्रा में एक्सपायरी दवाएं मिलीं, बल्कि नसीब नामक एक नौवीं पास लड़का भी मिला। वह पिछले दो साल से बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाएं बेच रहा था। विभाग अब इस मामले में ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत केस दर्ज करेगा। यह दुकान रजत गोयल नामक व्यक्ति के नाम पर है, जो छापेमारी के दौरान मौके पर मौजूद नहीं था। आपको बता दें कि इससे पहले भी कुछ दिन पहले विभाग की टीम द्वारा चंडीगढ़ रोड स्थित मलिक मेडिकल सहित कई दुकानों पर छापेमारी की थी। टोहाना में लगातार मेडिकल दुकानों पर नशा बेचे जाने की शिकायत विभाग के पास जाती है जिसके चलते यह कार्यवाही की गई है।

रेवाड़ी में 9 दिनों में एक ही परिवार में 3 मौतें, पहले भतीजी-मां की मौत अब युवक ने उठाया ये कदम

रेवाड़ी : रेवाड़ी जिले के नागल पठानी रेलवे स्टेशन के पास देर शाम एक युवक ने मालगाड़ी के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गांव मुरलीपुर निवासी 23 वर्षीय अतर सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अतर सिंह पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। जानकारी के अनुसार अतर सिंह अविवाहित था और गांव में मजदूरी करता था। बुधवार को वह नागल पठानी स्टेशन के पास रेलवे लाइन पर पहुंचा, जहां कोसली से रेवाड़ी की ओर जा रही मालगाड़ी के आगे कूद गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार अतर सिंह के परिवार में बीते नौ दिनों में दो अन्य मौतें हो चुकी थीं। 13 जनवरी को बीमारी के चलते उसकी तीन माह की भतीजी की मौत हो गई थी, जबकि 17 जनवरी को उसकी मां का निधन हो गया। इससे पहले वर्ष 2015 में उसके पिता की भी मृत्यु हो चुकी थी। लगातार हुई इन मौतों के कारण अतर सिंह मानसिक तनाव में था। मृतक के परिजनों ने बताया कि अतर सिंह पर एक के बाद एक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। अतर सिंह दो मौतों के बाद काफी परेशान रहने लगा था, वह कई दिनों से कुछ खा नहीं रहा था। अब परिवार में मनोज, उसकी पत्नी और ढाई साल की बेटी ही बची हैं। सूचना मिलने पर दादरी जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जांच अधिकारी भतेरी देवी ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों ने मानसिक परेशानी की बात बताई है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

सीएम ने केयू में अंतरराष्ट्रीय हॉकी टर्फ का किया उद्घाटन ऑल-वेदर स्विमिंग पूल की रखी आधारशिला

कुरुक्षेत्र : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के खेल परिसर में खिलाड़ियों को दो बड़ी सौगातें दीं। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में नव निर्मित अंतरराष्ट्रीय हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान का लोकार्पण किया और करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले आल वेदर (सदाबहार) स्विमिंग पूल परियोजना का शिलान्यास किया। 'खेलो इंडिया' योजना के तहत तैयार किया गया यह हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदान कुरुक्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस मैदान के निर्माण के लिए सरकार द्वारा लगभग 5.5 करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया गया।अंतरराष्ट्रीय मानकों पर

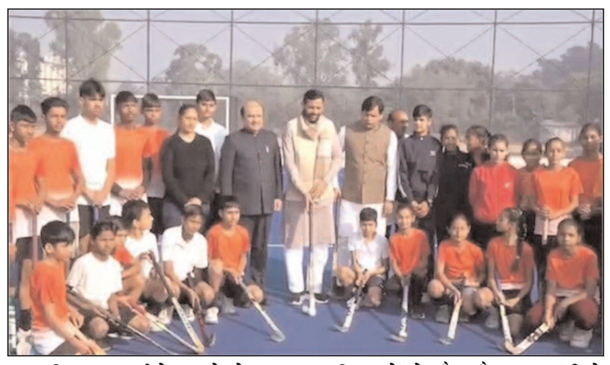

आधारित इस टर्फ के बनने से अब विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए शाहाबाद या अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह मैदान फ्लड लाइट्स और आधुनिक सुविधाओं से लैस है। मुख्यमंत्री ने खेल परिसर में 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले ऑल वेदर स्विमिंग पूल की आधारशिला भी रखी। यह परियोजना पूरी होने के बाद विश्वविद्यालय के करीब 13,000 छात्रों और बाहरी खिलाड़ियों को साल के 12 महीने तैराकी का अभ्यास करने की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में कड़ाके की ठंड के कारण सर्दियों में ट्रेनिंग बाधित हो जाती थी, जो अब नहीं होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के हर जिले में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएं हों। यह हॉकी टर्फ और आगामी स्विमिंग पूल कुरुक्षेत्र के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए तैयार करेंगे।"

भिवानी कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियों ने घेरा इलाका; डॉग स्क्वाड और पुलिस टीम तैनात

भिवानी। जिला न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद वीरवार को पूरे प्रशासनिक और पुलिस तंत्र में हड़कंप मच गया। यह धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई, जिसमें कोर्ट परिसर को निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं और जिला न्यायालय परिसर को तत्काल घेराबंदी में लेकर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। एहतियातन अदालत परिसर में आमजन की आवाजाही सीमित कर दी गई और सभी प्रवेश-निकास बिंदुओं पर कड़ी जांच लागू की गई। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार ने

बताया कि धमकी भरे ई-मेल को गंभीरता से लेते हुए इसकी तकनीकी जांच शुरू कर दी गई है। साइबर सेल ई-मेल के स्रोत, आईपी एड्रेस और डिजिटल ट्रेल की जांच कर रही है, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि धमकी किस स्तर की है और इसके पीछे कौन है। धमकी के बाद बम निरोधक दस्ते, डाग स्क्वाड और पुलिस बल ने कोर्ट भवन, रिकार्ड रूम, पार्किंग, वकीलों के चैंबर और आसपास के इलाकों की गहन तलाशी ली। किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। फिलहाल तलाशी में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है, लेकिन निगरानी जारी है। पुलिस के अनुसार ई-मेल से जुड़ी तकनीकी जानकारियां जुटाई जा रही हैं। यह भी जांच की जा रही है कि धमकी स्थानीय स्तर से भेजी गई या किसी बाहरी नेटवर्क का उपयोग किया गया। अफवाहों से बचने की अपील के साथ आमजन से किसी भी संदिग्ध सूचना की तत्काल जानकारी देने को कहा गया है।

पानीपत में हनीट्रैप कांड में महिला वकील को तगड़ा झटका, तीसरी बार भी नहीं मिली जमानत; जेल से बाहर आने का सपना टूटा

पानीपत। सरकारी अस्पताल में तैनात सीनियर मलेरिया इंस्पेक्टर को हनीट्रैप में फंसाकर लाखों रुपये वसूलने के मामले में आरोपित महिला वकील की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अदालत ने धोखाधड़ी, अमानत में खयानत और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों में घिरी आरोपित वकील की तीसरी जमानत याचिका भी खारिज कर दी। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश योगेश चौधरी की अदालत ने मामले की गंभीरता और गवाहों के बयानों को आधार बनाते हुए आरोपित को राहत देने से साफ इनकार कर दिया था। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि केवल चालान पेश हो जाना जमानत का आधार नहीं हो सकता, जबकि अभी मामले में आरोप

तय होना और गवाहों के बयान दर्ज होना बाकी हैं। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपित को गलत फंसाए जाने और जांच पूरी होने की दलील दी, वहीं अभियोजन पक्ष ने कड़ा विरोध करते हुए कहा कि आरोपित ने सुनियोजित साजिश के तहत हनीट्रैप कर शिकायतकर्ता से मोटी रकम वसूलने की कोशिश की। जमानत मिलने पर गवाहों को प्रभावित करने की भी आशंका जताई गई थी। वहीं, तीसरी बार तय तारीख को शादी न होने से सगाई टूटने की बात कहकर बचाव पक्ष ने जमानत याचिका दाखिल की थी। लेकिन अभियोजन पक्ष के विरोध के बाद अदालत ने जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। शिकायत के अनुसार, पहले पहचान और दोस्ती बढ़ाई गई, फिर बहाने से फ्लैट पर बुलाकर कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाया। इसके बाद आपत्तिजनक हालात बनाकर वीडियो और झूठे केस की धमकी देकर 11 लाख रुपये की मांग की गई, बाद में चार लाख में मामला निपटाने का दबाव बनाया गया। पीड़ित की शिकायत पर सात जुलाई को थाना पुराना औद्योगिक पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन आरोपितों को जेल भेज दिया था।

बहादुरगढ़ में प्रॉपर्टी टैक्स डिफॉल्टरों पर गिरी गाज, बकाया टैक्स न चुकाने पर 11 संपत्तियां सील, एसडीएम ने दी चेतावनी

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ नगर परिषद ने प्रॉपर्टी टैक्स और डेवलपमेंट चार्ज नहीं जमा कराने वाले डिफॉल्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। नगर परिषद की टीम ने शहर के अलग-अलग इलाकों में 11 दुकानों और भवनों को सील कर दिया। यह सीलिंग कार्रवाई एसडीएम अभिनव सिवाच की मौजूदगी में की गई। नगर परिषद अधिकारियों के अनुसार संबंधित दुकान और भवन मालिकों को कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने बकाया प्रॉपर्टी टैक्स और डेवलपमेंट चार्ज जमा नहीं कराया। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद सीमा में बिना नक्शा पास कराए बनाए गए भवनों पर भी शिकंजा कसा गया। पटेल नगर, उद्योग नगर, छोटूराम नगर और श्याम जी कॉम्प्लेक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में सीलिंग की कार्रवाई की गई। इस मौके पर एसडीएम अभिनव सिवाच ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि जिन लोगों ने अभी तक अपना प्रॉपर्टी टैक्स और डेवलपमेंट चार्ज जमा नहीं कराया है, वे जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान करें, अन्यथा आगे भी सीलिंग अभियान जारी रहेगा। एसडीएम अभिनव सिवाच ने शहरवासियों से अपील की है कि घर या कोई भी निर्माण कार्य करने से पहले नगर परिषद से नक्शा अवश्य पास करवाएं, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

फतेहाबाद में पंचायत समिति चेयरपर्सन ज्योति नहीं बचा पाई कुर्सी, BJP समर्थित उम्मीदवार अनु सरबटा बनेगी चैयरमेन

फतेहाबाद : फतेहाबाद जिले की भट्टू पंचायत समिति की चेयरपर्सन ज्योति लूणा की कुर्सी चली गई है। चेयरपर्सन के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर एडीसी अनुराग ढालिया की अध्यक्षता में आज लघु सचिवालय में मीटिंग हुई। मीटिंग में कुल 21 में से 18 सदस्य पहुंचे। इस दौरान वोटिंग करवाई गई। इन सभी ने ज्योति लूणा के खिलाफ वोट दिया। ज्योति लूणा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव की मांग को लेकर 13 जनवरी को पंचायत समिति भट्टू के कुल 21 सदस्यों में से 17 सदस्यों ने एकजुट होकर एडीसी अनुराग ढालिया से मुलाकात की थी। इन सदस्यों ने चेयरपर्सन ज्योति लूणा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर जल्द बैठक बुलाने की मांग रखी थी। वहीं चेयरपर्सन ज्योति लूणा को कुर्सी से हटाने के लिए पूर्व विधायक दुड़ाराम के खेमे में पूरी तैयारियां कर ली है। चेयरपर्सन का पद अनुसूचित जाति की महिला के लिए आरक्षित है, इसलिए ज्योति को हटाकर दुड़ाराम उनके स्थान पर अनुसूचित जाति की महिला सदस्य अनु सरबटा को इस पद पर बिठाना चाह रहे हैं। अविश्वास प्रस्ताव देने वालों में वाइस चेयरमैन बंसी लाल, सदस्य अनु सरबटा, कविता, विनोद गुज्जर, प्रवीन गोदारा, प्रवीन तरड़, राजेश धतरवाल, राजेश शर्मा, नरेश राड़, गोविंद भादू, सुनीता दैय्यड़, बिस्पति देवी, सुरेश कला, उर्मिला सिंवर, सतीश कुमार, विजेंद्र सिंह व मनीता रानी शामिल रहे थे।

जुलाना में सरकार पर भड़के किसान, चेतावनी देते हुए कहा- पराली सड़कों पर लाकर फूकेंगे

जुलाना : जुलाना क्षेत्र के करसोला गांव के किसानों को धान के अवशेष जलाने की बजाय सीधी बिजाई करने पर सरकार द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि अब तक नहीं मिल पाई है। इसको लेकर गांव के किसानों में सरकार व प्रशासन के प्रति भारी रोष व्याप्त है। किसानों का कहना है कि उन्होंने सरकार की योजना का पालन करते हुए पराली नहीं जलाई, इसके बावजूद उन्हें आर्थिक लाभ से वंचित रखा गया है। किसानों ने चेतावनी दी है अगर समाधान नहीं हुआ तो सड़कों पर पराली जलाकर प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों ने बताया कि करसोला गांव के कुल 262 किसानों ने सरकार द्वारा चलाई गई सीधी बिजाई योजना के तहत ऑनलाइन पंजीकरण करवाया था, लेकिन पंजीकरण के बाद अब तक किसी भी प्रकार की आगे की कार्रवाई नहीं की गई। किसानों का आरोप है कि पंचायत विभाग के ग्राम सचिव की लापरवाही के चलते यह पूरा मामला अटका हुआ है। किसानों ने कहा कि पंजीकरण के बाद वेरिफिकेशन की जिम्मेदारी ग्राम सचिव की थी, लेकिन उन्होंने समय रहते सत्यापन नहीं किया। अब योजना से संबंधित पोर्टल बंद हो चुका है, जिसके कारण उनका वेरिफिकेशन भी नहीं हो पा रहा है। इससे किसानों की समस्या और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहना है कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सरकार की अपील पर पराली न जलाने का निर्णय लिया, लेकिन अब प्रोत्साहन राशि न मिलने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की है कि उन्हें प्रति एकड़ 1200 रुपये के हिसाब से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि जल्द से जल्द जारी की जाए। किसानों का कहना है कि यदि समय रहते उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे सड़कों पर पराल जलाकर प्रदर्शन करेंगे। इसी मांग को लेकर करसोला गांव के किसान तहसील कार्यालय पहुंचे और नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने ज्ञापन के माध्यम से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। नायब तहसीलदार ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायत को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और जल्द ही समाधान का प्रयास किया जाएगा।

सेहत से खिलवाड़ ! गांव में ही फैक्टरी लगाकर बनाया जा रहा था देसी घी, 910 लीटर देसी घी बरामद

जींद : खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने गांव तलोडा खेड़ी में घी बनाने की एक फैक्टरी पर मंगलवार को दबिश दी। यहां पर भारी मात्रा में घी बनाया जा रहा था। विभाग की टीम ने यहां से दो सैंपल घी के लिए और जांच के लिए भेज दिए। विभाग ने सैंपल रिपोर्ट आने तक फैक्टरी को सील कर दिया। विभाग की

टीम को यहां 880 लीटर घी पेकिंग में तथा 30 लीटर खुला घी मिला। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी डा. योगेश कादियान को सूचना मिली कि गांव तलोडा खेड़ी में घी बनाने की फैक्टरी चल रही है। यहां पर जो घी बन रहा है वह मिलावटी हो सकता है। विभाग की टीम ने मंगलवार को सूचना मिलने के बाद तुरंत तलोडा खेड़ी में घी बनाने की फैक्टरी में दबिश दी। यहां पर श्री श्याम मिल्क फूड प्रोडक्ट के नाम से फैक्टरी चलाई जा रही थी। इसमें यशवी सागर प्योर देसी घी बनाया जा रहा था। टीम को मौके से 910 लीटर घी मिला। इसमें 800 लीटर पैक किया हुआ था, जबकि 30 लीटर घी खुला रखा हुआ था। टीम ने एक सैंपल खुले घी से तथा एक सैंपल पैकिंग के घी से लिया। इसके बाद टीम ने फैक्टरी को सील कर दिया। जब तक इन सैंपलों की जांच रिपोर्ट नहीं आ जाती, फैक्टरी सील रखी जाएगी। तलोडा खेड़ी गांव में घी बनाने की फैक्टरी चलाई जा रही थी। यहां से 880 लीटर पैकिंग में घी मिला और 30 लीटर खुला रखा घी मिला है। दोनों के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए है। जांच रिपोर्ट आने तक फैक्टरी को भी सील कर दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगामी कार्रवाई की जाएगी।

पानीपत में चोरों का आतंक: कारोबारी के घर से दिनदहाड़े 45 लाख की चोरी, सीएम के कार्यक्रम के लिए था कड़ा पहरा

पानीपत : पानीपत के जिमखाना क्लब में बुधवार शाम को मुख्यमंत्री की उद्यमियों के साथ प्री-बजट बैठक चल रही थी, इसी समय कार्यक्रम स्थल से करीब एक किमी दूर सेक्टर-12 में हैंडलूम कारोबारी ईश खुराना के घर दिनदहाड़े करीब सात लाख रुपये की नकदी और 25 तोले सोने के जेवर चोरी लिए गए। हैंडलूम कारोबारी उस समय परिवार के साथ अपने मामा की सालगिरह पर गए थे। वे सायं छह बजे आए तो सामान बिखरा पड़ा था। चांदनी बाग थाना पुलिस और सीआईए की टीमें मौके पर पहुंची। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दो संदिग्ध नजर आए हैं। दोनों छोटे गेट से ही मकान में अंदर आए थे। सेक्टर-12 के हैंडलूम कारोबारी ईश खुराना की विद्यानंद कॉलोनी में फैक्टरी है। उन्होंने बताया कि बुधवार को उनके मामा की शादी की वर्षगांठ का कार्यक्रम था। वह परिवार सहित साईं बाबा चौक पर गए थे। परिवार के सभी सदस्य करीब दो बजे घर से निकले थे।

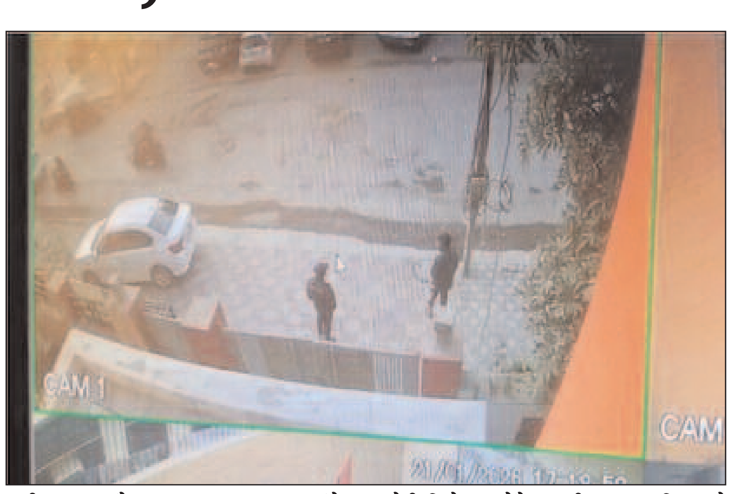

करीब चार घंटे बाद वापस घर पर पहुंचे। उनको घर में सारा सामान बिखरा हुआ मिला। अंदर कमरे में रखी अलमारी का लॉकर भी खुला हुआ था। अलमारी से करीब सात लाख रुपये की नकदी और 25 तोले सोने के जेवर चोरी मिले। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। थाना चांदनीबाग पुलिस, सीआईए और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटना स्थल पर बारीकी से छानबीन की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली है। जिसमें दो संदिग्ध नजर आए हैं। पुलिस अब फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। चाक चौबंद थी व्यवस्था, सीएम का चल रहा था कार्यक्रम जिस कोठी में चोरी हुई है उससे करीब एक किमी की दूरी पर जिमखाना क्लब में मुख्यमंत्री उद्यमियों से बजट पर चर्चा कर रहे थे। जिस कारण पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बावजूद इसके भी चोरों ने वारदात को अंजाम दे दिया। जो पुलिस की मुस्तैदी पर सवाल खड़े कर रहा है। सेक्टर वासियों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदात हो रही है। लेकिन पुलिस अपराधियों पर नियंत्रण नहीं कर पा रही है। मात्र पांच मिनट में दिया वारदात को अंजाम बताया जा रहा है कि शाम को करीब पांच बजे काली जैकेट पहने हुए दो संदिग्ध युवक आए। पांच बजकर 19 मिनट पर मकान के अंदर घुसे। इसके बाद दोनों पांच बजकर 24 मिनट पर पर बाहर आए। डीएसपी ने ताया कि आरोपियों ने पालतू कुत्ते को बिस्किट भी डाले। कई बिंदुओं पर जांच चल रही है। पांच माह पहले क्षेत्र में हुई थी सवा करोड़ की चोरी सेक्टर-11-12 क्षेत्र में पांच माह पहले भी चोरों ने सवा करोड़ रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। हैंडलूम कारोबारी गौरव कटारिया अपने परिवार के साथ देहरादून गए थे। उनकी कोठी से चोर करीब 25 लाख रुपये की नकदी और 55 तोले सोने के गहने चोरी कर ले गए थे। उस समय पुलिस की तीन टीमों को खुलासे के लिए लगाया था। पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया था, लेकिन चोरी की रकम बरामद नहीं हुई थी। अधिकारी के अनुसार सेक्टर-12 में हैंडलूम कारोबारी के घर में चोरी हुई है। चोर करीब 25 तोले सोने के जेवर व सात लाख रुपये की नकदी चोरी कर ले गए हैं। सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। आरोपियों को पकड़ने के लिए सीआईए की टीमों को लगाया गया है

दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी टीम इंडिया

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। पहले टी20 में मिली 48 रनों की जीत से भारतीय टीम इस सीरीज में पहले ही 1-0 से आगे है। अब उसका लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दोने ही लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पहले ही मैच में अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 32 रनों की अपनी पारी से लय हासिल कर ली है। भारतीय गेंदबाजों ने भी पहले मैच में कीवी टीम को 200 रनों के अंदर समेट कर अपनी टीम को आसानी से जीत दिला दी।

यहां के मैदान पर अब तक हुए एक टी20 मैच में भारतीय टीम जीत थी। ये मैच साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ था। तब भी सूर्यकुमार यादव ही कप्तान थे। उस मुकाबले में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अब रिंकू से इस मैच में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। अक्षर को पहले टी20 में अंगुली में चोट लग गयी थी। ऐसे में उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध नजर आता है। रिंकू ने पहले टी20 में 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की आक्रामक पारी खेली थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की नजरें शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। पहले टी20 में ये दोनो ही विफल रहे थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं पर अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें अवसर मिलना तय है।

सैमसन भी अवसर मिलने पर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। इसके अलावा ईशान भी इस

मैच में बड़ी पारी खेनना चाहेंगी।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। पहले टी20 में उन्होंने 22 गेंदों में 32 रन बनाये थे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना चाहेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। कीवी टीम की बल्लेबाजी डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र और डैरिल मिचेल पर निर्भर करेगी जबकि गेंदबाजी जैकब डफी, मिशेल सैंटनर, काइल जैमीसन पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा.

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी.

सिंधु और लक्ष्य इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सीधे गेम में जीत हासिल करके इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने हांगकांग के जेसन गुनावन को आधे घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-10 21-11 से हराया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में डेनमार्क की अपनी जानी-पहचानी प्रतिद्वंदी लाइन होजमार्क कजेरफेल्ड पर 21-19 21-18 से जीत दर्ज की। यह मैच 43 मिनट तक चला। डेनमार्क की खिलाड़ी के खिलाफ अब तक हुए छह मुकाबलों में सिंधू की यह पांचवीं जीत थी।

सिंधू का अगला मुकाबला टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व की नंबर चार खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई से होगा। सिंधू और फेई अब तक 13 बार एक-दूसरे का सामना कर चुकी हैं। कुल रिकॉर्ड में फेई का पलड़ा 7-6 से थोड़ा भारी है। भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी बार 2019 में फेई को हराया था और वह इस रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगी।

टी20 विश्व कप से बॉयकॉट के बाद बंगलादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल का बयान आया सामने

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश ने टी20 विश्व कप 2026 का बॉयकॉट करते हुए साफ तौर पर कहा है कि वह भारत में अपने टी20 विश्व कप मैच नहीं खेलेंगे। बंगलादेश ने यह भी कहा है कि वह टी20 विश्व कप खेलना चाहता है और उसके मैच श्रीलंका में कराए हैं। इसी बीच बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को कहा कि आईसीसी ने उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी 20 विश्व कप में हिस्सा लेने के संबंध में उचित न्याय नहीं दिया।

कल, आईसीसी ने बंगलादेश की भारत से श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपील को खारिज कर दिया और इसके बजाय बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को उनकी भागीदारी पर फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया। आईसीसी ने स्कॉटलैंड को भी स्टैंडबाय पर रखा है, अगर बंगलादेश आखिरकार टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत जाने को तैयार नहीं होता है। नजरुल, जिन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ बैठक की थी, ने पत्रकारों से कहा कि वे अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं। आसिफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हाल के दिनों में भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि वहां (सुरक्षा के लिहाज से) चीजें बदल गई हैं। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें न्याय देगा।'

बांग्लादेश ने टी20 विश्वकप क्रिकेट का बहिष्कार किया

सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते : बीसीबी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश सरकार ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार करने की घोषणा की है। बांग्लादेश सरकार के फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) टी20 विश्व कप से हट गयी है। है। बांग्लादेश ने ये फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच स्थल भारत से बाहर रखे जाने की उसकी मांग खरिज करने के बाद लिया है। बीसीबी ने कहा है कि वर्तमान हालातों में वह अपनी टीम को सुरक्षा कारणों से भारत नहीं भेज सकता। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार के बीच हुई अहम बैठक के बाद विश्वकप से हटने का फैसला किया गया है। इससे पहले आईसीसी ने कहा था कि या तो बांग्लादेश खेलने के लिए तैयार हो या बाहर जाये।

इसके बाद एक बैठक में बीसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकारों की बैठक हुई। इसमें आइसीसी के फैसले पर बात हुई। इसके बाद बीसीबी की ओर से कहा गया कि बांग्लादेश भारत में नहीं खेलने के अपने रुख पर बना हुआ है। साथ ही कहा कि मौजूदा हालातों में टीम भारत नहीं जाएगी, चाहे विश्कप से बाहर ही होना

पड़े। बैठक के बाद खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा कि आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ क्रिकेट कार्यक्रम या टूर्नामेंट प्रतिबद्धताओं तक सीमित नहीं है। साथ ही कहा कि , खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे ऊपर अै। इससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। नज़रुल ने यह भी साफ किया कि बांग्लादेश दबाव में झुकने वाला नहीं है।

वहीं इससे पहले गत दिवस आईसीसी ने बीसीबी की आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरा दी है। साथ ही कहा था कि टी20 विश्वकप का कार्यक्रम तय हो गया है और इसमें अंतिम समय पर बदलाव नहीं किया जा सकता है। वहीं बीसीबी ने कहा कि उसकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर आईसीसी ने ध्यान नहीं दिया। । इसी वजह से बोर्ड ने अपना रुख बदलने से इनकार कर दिया है। बीसीबी ने कहा था कि उसके मैच श्रीलंका में रख दिये जायें।

बीसीबी अधिकारियों का कहना है कि यह मांग किसी राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों की सुरक्षा और मानसिक शांति को ध्यान में रखकर की गई है। वहीं आईसीसी इससे सहमत नहीं दिखी।

बीसीबी ने कहा कि टीम के कई सदस्यों ने भारत जाने को लेकर असहजता जताई है। बोर्ड ने माना कि टूर्नामेंट से बाहर होने से उसे आर्थिक नुकसान होगा पर इसके लिए सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : जोकोविच ने मास्ट्रेली को हराकर तीसरे राउंड में बनाई जगह

मेलबर्न - सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को इटली के फ्रांसेस्को मास्ट्रेली को सीधे सेटों में हराकर 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बनाई। आज यहां रॉड लेवर एरिना में खेले गये मुकाबले में सर्बियाई चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच को एकल में 6-3, 6-2, 6-2 से जीत हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाकर कोर्ट पर अपना दबदबा बनाया। मास्ट्रेली ने कुछ प्रतिरोध दिखाया, कई ब्रेक पॉइंट बचाए और शक्तिशाली सर्व और तीन ऐस लगाकर जोकोविच को सेट के लिए सर्व करने पर मजबूर किया। दूसरे सेट में भी पैटर्न वैसा ही रहा, जोकोविच ने 3-2 के बाद बढ़त बनाई और 6-2 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में जोकोविच ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली, एक तनावपूर्ण पांचवें गेम में सर्व ब्रेक करके 4-1 से आगे हो गए। मास्ट्रेली ने देर से वापसी की कोशिश किया, लेकिन जोकोविच की सटीकता और निरंतरता निर्णायक साबित हुई, क्योंकि उन्होंने इतालवी खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर जीत पूरी की। जोकोविच ने एक अनजान विरोधी के बारे में कहा, 'आजकल मेरे साथ ऐसा अक्सर होता है। फिर भी, सम्मान हमेशा रहता है और मैं किसी को कम नहीं आंकता। उसके पास एक बड़ी सर्व है और बड़े स्टेज पर उसके पास अभी भी अनुभव की कमी है, लेकिन उसके पास गेम है जिससे वह बहुत आगे जा सकता है और रैंकिंग में ऊपर जा सकता है, इसलिए मैं उसे इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं।' जोकोविच तीसरे राउंड में नीदरलैंड के बोटिक वैन डी जैड्सचल्प से भिड़ेंगे।

टी20 विश्वकप पर हैं नजरें : हरमनप्रीत

त्रिवेंद्रम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने सीरीज जीती। हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज के प्रदर्शन से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही। हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है जिसमें भारतीय गेंदबाज सफल रहे हैं।

शमी ने अब भी वापसी की नहीं छोड़ी उम्मीद, जमकर कर रहे अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम के बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। 35 साल के शमी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की थी। इसके बाद भी उन्हें न्यूजीलैड के खिलाफ एकदिवसीय ओर टी20 सीरीज के शामिल नहीं किया गया। वहीं शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है। इससे अंदाजा होता है कि वह निराश नहीं है और टीम में वापस को लेकर सकारात्मक रुख रख रहे हैं।

शमी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से पिछले साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था पर उसके बाद वह चोटिल होने के कारण टीम के बाहर हो गये थे। इस दौरान वह सर्जरी से भी गुजरे। इसके

बाद से ही वह टीम में जगह का इंतजार करते रहे हैं। टीम से बाहर होने के बाद शमी ने अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया पर इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उनकी अनदेखी की। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां तक कह दिया कि उन्हें शमी की फिटनेस के बारे में जानकारी नहीं है। शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए पहले रणजी ट्रॉफी और उसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और फिर विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की है। इसके बाद भी उन्हें पहले इंग्लैंड फिर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया। ऐसे में लगातार अपनी उपेक्षा से निराश शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है।

शमी के जज्बे से लगता है कि उन्होंने अभी वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अपनी फिटनेस को भी बनाये रखने पर ध्यान दे रहे हैं। पिछले साल जब अगरकर ने शमी की फिटनेस पर टिप्पणी की थी तो उन्होंने कहा था कि अगर वह 50 ओवर के मैच में 10 ओवर डाल रहे हैं तो टेस्ट में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन अब उन्हें अपनी योजनाओं का हिस्सा नहीं मानना है, इसी लिए चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ गये हैं। नये तेज गेंदबाजों के आने से भी शमी की मुश्किलें बढ़ी हैं। टीम प्रबंधन अब 2027 विश्वकप को देखते हुए टीम बना रहा है और अधिक उम्र के कारण इसके लिए शमी फिट नहीं हैं।

चैंपियंस लीग : केन के दो गोल से बायर्न म्यूनिख ने मेंरॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस को हराया

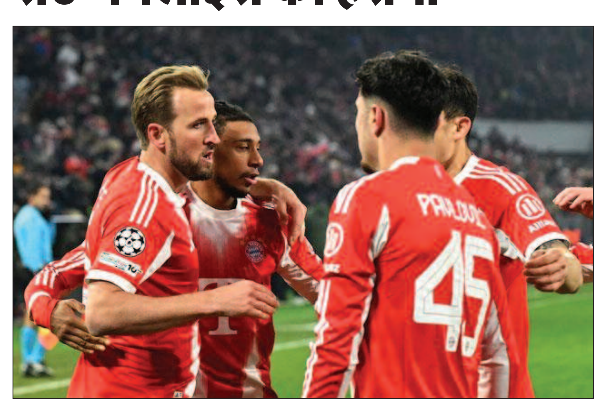

बर्लिन। आखिरी 30 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बायर्न म्यूनिख ने हैरी केन ने दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की बदौलत रॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस पर 2-0 से जीत हासिल दर्ज की। बुधवार को खेले गये मुकाबले में बायर्न ने अच्छी शुरुआत की और दूसरे ही मिनट में बढ़त बनाने के करीब पहुंच गया जब लुइस डियाज एरिया में घुसे और केन को पास दिया, लेकिन यूनियन के गोलकीपर केजेल शेर्पेन ने शानदार बचाव किया। दोनों टीमें कई प्रयासों के बावजूद पहले हाफ में गोल करने में विफल रहीं। ब्रेक के बाद बायर्न के लिए केन ने 52वें मिनट में हेडर से गोल किया और तीन मिनट बाद उसने पेनल्टी को गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। बायर्न का कंट्रोल तब मुश्किल में पड़ गया जब 63वें मिनट में किम मिन-जे को दूसरा पीला कार्ड मिलने पर बाहर भेज दिया गया। यूनियन ने आगे बढ़ने का प्रयास करते हुए मौके बनाने के लिए संघर्ष किया, जबकि बायर्न ने जवाबी हमला किया। केन लगभग हैट्रिक पूरी करने ही वाला था, लेकिन उसने देर से मिली पेनल्टी को क्रॉसबार पर मार दिया। इस जीत से बायर्न चैंपियंस लीग लीग-फेज टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गया और टॉप-आठ में जगह पक्की कर ली, जिससे आखिरी 16 के लिए क्वालिफिकेशन पक्का हो गया।

रोहित और विराट से मतभेद की खबरें आधारहीन : गंभीर

वडोदरा। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा से उनके मतभेदों को लेकर जो बातें मीडिया में आती रही हैं। वे अधार हीन हैं। गंभीर ने कहा कि इस प्रकार की रिपोर्ट जब वह पड़ते हैं तो उन्हें हंसी आ जाती है। पिछले साल जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी तब एकदिवसीय सीरीज के दौरान ऐसी खबरें आईं कि विराट और गंभीर के बीच बातचीत नहीं है। वहीं रोहित के साथ बातचीत तो बंद नहीं है पर दोनो के संबंध ठीक नहीं हैं। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित और विराट के टेस्ट से संन्यास के पीछे भी गंभीर जिम्मेदार हैं। इसके अलावा अब वह इन्हें एकदिवसीय से भी बाहर करना चाहते हैं। इस प्रकार की बातों को गंभीर ने गलत बताया है। गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा है, कोच के जिस असीमित अधिकार की बातें की जा रही हैं उसमें भी कोई सच्चाई नहीं है। तब तक तो मुझे इस पर हंसी आ रही है कि मुझे अपनों के खिलाफ ही खड़ा किया जा रहा है जबकि वे बेस्ट हैं। गंभीर जब से टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से भारतीय टीम का टेस्ट में प्रदर्शन खराब हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को घरेलू धरती पर भी हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप किया और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हराया। इसके बाद से ही उन्हें हटाने की भी मांग उठाती रही है। इसके अलाव कई पूर्व क्रिकेटरो ने भी हर प्रारुप में अलग-अलग कोच की मांग की है।

अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने रांची रॉयल्स को शूटआउट में हराकर हासिल किया बोनस अंक

भुवनेश्वर - अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स और रांची रॉयल्स के बीच पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (।।ह्वरु) में एक रोमांचक मुकाबले के निर्धारित में 3-3 से ड्रॉ रहने के बाद ड्रैगन्स ने नाटकीय शूटआउट में 4-2 से हरा दिया। ड्रैगन्स ने शूटआउट में जीत से बोनस अंक हासिल मिला। जबकि रॉयल्स ने पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे शुक्रवार को कलिंगा लांसर्स के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर क्वालीफायर 1 मुकाबला तय हो गया। हैदराबाद तूफान ने भी प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को एचआईएल जीसी से आगे चौथे प्लेऑफ स्थान को पक्का करने के लिए कल एसजी पाइपर्स के खिलाफ मुकाबले में सात गोल के अंतर से जीतना होगा। टॉम बून ने रॉयल्स के लिए दो बार गोल किया (9', 35'), पहले मिनट में मनदीप सिंह (1') के शुरुआती गोल का साथ दिया। ड्रैगन्स ने ब्लेक गोवर्स (24', 53') के दो गोल और कार्थी सेल्वम (32') के एक गोल से वापसी की। शूटआउट के दौरान, नाथन एफ्राम्स, ब्लेक गोवर्स, उत्तम सिंह और टॉम क्रेग ने ड्रैगन्स के लिए अपने मौके भुनाए।

अभिषेक शर्मा ने पहला टी20आई जीतने के बाद किया रणनीति का खुलासा

नागपुर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के विरुद्ध पहले टी-20 मैच में 35 गेंदों में 84 रनों की विस्फोटक पारी खेलने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि उन्हें अपने कुछ चुनिंदा शॉट्स पर ही पूरा भरोसा हैं। मैच के बाद अपनी रणनीति को लेकर अभिषेक ने कहा, 'जब आप विपक्षी गेंदबाजो के वीडियो खंगालते हैं या अपनी बल्लेबाजी का विश्लेषण करते हैं, तो आपको अंदाजा हो जाता है कि सामने वाली टीम क्या रणनीति बनाए और मुझे अपने रन कहां बनाने हैं। सच कहूं तो मैं अपने गिने-चुने शॉट्स पर ही यकीन करता हूं क्योंकि मेरे पास वैरायटी बहुत अधिक नहीं है। बस कुछ खास स्ट्रोक्स हैं जिनकी मैं जी-तोड़ अभ्यास करता हूं और मैदान पर उन्हें ही आजमाता हूं।'

उन्होंने अपनी तकनीक को लेकर कहा, 'मैं अधिकतर पावर हिटिंग का प्रयास नहीं करता क्योंकि मुझमें वैसी शारीरिक ताकत नहीं है। मेरी बल्लेबाजी मुख्य रूप से टाइमिंग के भरोसे चलती है। मेरे लिए सबसे अहम यह है कि मैं गेंद की लाइन पर नजर रखूं और माहौल को समझूं। चूंकि हम फिलहाल पूरे भारत में अलग-अलग जगहों पर खेल रहे हैं, तो परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाना बेहद आवश्यक हो जाता है। इसके लिए मैं मैच से पूर्व या नेट अभ्यास के दौरान ही अपनी रणनीति तैयार कर लेता हूं। विपक्षी गेंदबाजी की अपनी योजना होती है, इसलिए मेरे जेहन में हमेशा यह रहता है कि मैं अपने खेल और अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा रखूं।'

सलामी बल्लेबाज ने अपनी शैली पर कहा, 'मैं इसे जोखिम भरा खेल नहीं मानता। हालांकि इसे 'कम्फर्ट जोन' कहना पूरी तरह सही नहीं होगा, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा टीम को मजबूत शुरुआत दिलाना होता है। शुरुआती 6 ओवरों का लाभ उठाना बेहद अहम है और मैं नेट्स पर भी इसी की तैयारी करता हूं। मेरे जेहन में यह बात स्पष्ट रहती है कि विपक्षी टीम के मुख्य गेंदबाज ही पारी के शुरुआती ओवर फेंकते हैं। अगर मैं पहले तीन-चार ओवरों में उन पर हावी हो जाऊं, तो मैच पर हमारी पकड़ मजबूत हो जाती है।'

उन्होंने कहा, 'मैंने एक चीज सीखी है कि यदि आप हर गेंद पर प्रहार करना चाहते हैं या 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी का इरादा रखते हैं, तो वैसी ही मानसिकता और कड़ा अभ्यास जरूरी है। हर टीम मेरे लिए अलग रणनीति तैयार है। अब मुझे समझ आता है कि यह केवल क्षेत्ररक्षण सेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि पिच और गेंदबाजी के तरीके पर भी निर्भर करता है। इसलिए मैच से पहले की गई मेरी तैयारी सबसे ज्यादा मायने रखती है। इस सीरीज के शुरू होने से पहले मेरे पास

एक सप्ताह का समय था। मैं जानता था कि न्यूजीलैंड के गेंदबाज मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन मुझे अपनी नैचुरल गेम और अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है।'

खुद को स्टार नहीं मानते शाहिद?

शाहिद कपूर विशाल भारद्वाज की नई फिल्म ओ रोमियो में नजर आएंगे। यह फिल्म 13 फरवरी को, वैलेंटाइन डे के ठीक पहले सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का टीजर पहले ही फैंस का दिल जीत चुका है। हाल ही में एक इंटरव्यू में, अभिनेता ने स्टारडम के बारे में खुलकर बात की और साथ ही यह भी बताया कि वह अपने बच्चों को एक सामान्य परवरिश देना चाहते हैं।

शाहिद कपूर पिछले 23 साल से फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। बहुत बड़ी कामयाबी मिलने के बावजूद, वे खुद को स्टार कहना पसंद नहीं करते। वे खुद को सिर्फ एक्टर कहते हैं। इंटरव्यू में शाहिद ने बताया कि वे स्टार कहलाना क्यों नहीं चाहते। उन्होंने कहा, सबसे बड़ा सबक यह है कि असलीपन खुद को अच्छे से जानने से आता है, दूसरों की उम्मीदों में ढलने से नहीं।

स्टारडम को लेकर शाहिद की राय

शाहिद ने स्टारडम को लेकर कहा, प्रसिद्धि कभी-कभी बोझ बन जाती है और शोर-शराबे में अपनी असलियत भूल जाना आसान हो जाता है। शाहिद का मानना है कि एक एक्टर को सच्चा रहना चाहिए, अपने परिवार और करीबियों से जुड़े रहना चाहिए और काम पर फोकस करना चाहिए। खुद के साथ ईमानदार रहना ही असली सफलता और खुशी का रास्ता है।

कैसे पिता हैं शाहिद?

शाहिद कपूर एक बहुत अच्छे एक्टर हैं, जो काम और परिवार दोनों को संतुलन में रखते हैं। शाहिद कपूर के परिवार की बात करें तो वे दो बच्चों के प्यारे पापा हैं—बेटी मिशा और बेटा जैन। शाहिद चाहते हैं कि उनके बच्चे जितना हो सके सामान्य जीवन जिएं। वे बच्चों को अपनी स्टारडम के बारे में ज्यादा नहीं बताते। अगर कोई सवाल आता है तो माता-पिता की तरह प्यार से जवाब देते हैं।

सुहाना ने बताया कैसी है शाहरुख-गौरी के साथ बॉन्डिंग

शाहरुख खान की लाडली सुहाना खान ने ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'आर्चीज' से डेब्यू किया था। अब वो अपनी अपकमिंग और सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली पहली फिल्म 'किंग' पर काम कर रही हैं। ज्यादातर अपने माता-पिता शाहरुख और गौरी के साथ ही नजर आने वालीं सुहाना ने अब अपने और माता-पिता के रिश्तों पर खुल कर बात की है। जानें कैसी है सुहाना और उनके पेरेंटस की ट्यूनिंग

पेरेंटस का फैसला ही आखिरी होता है

हैपर्स बाजार को दिए इंटरव्यू में सुहाना ने अपने निजी जीवन पर बात की। सुहाना ने इस इंटरव्यू में शाहरुख और गौरी दोनों को ही अपने काफी करीब बताया। उन्होंने कहा कि जब वो किसी ऐसी जगह पहुंचती हैं जहां उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करना चाहिये ? तो वो अपने पैरेंट्स को फैसला करने को कहती हैं। फिर उनके पैरेंट्स जो भी फैसला करते हैं उसे वो आखिरी फैसला मानती हैं।

करियर के फैसले भी करेंगे शाहरुख-गौरी

आगे शाहरुख और गौरी के बारे में बताते हुए सुहाना ने कहा कि जहां एक तरफ शाहरुख उन्हें भावनात्मक सलाह देते हैं, वहीं गौरी उन्हें प्रेक्टिकल सलाह देतीं हैं। अपने करियर से जुड़े फैसलों के बारे में सुहाना ने कहा कि इसमें भी वो अपने पैरेंट्स के कहने पर ही चलेगीं।

एक्टिंग बनी स्कूल प्ले से पैशन

इंटरव्यू में आगे सुहाना ने अपने एक्टिंग के तरफ रुझान पर चर्चा की। एक्ट्रेस ने बताया, 'अभिनय के साथ मेरा सफर एक साधारण से स्कूल प्ले से शुरू हुआ। इस प्ले में मुझे मनचाहा रोल नहीं मिल सका। इसी पल मुझे एहसास हुआ कि मुझमें स्टेज पर आने की कितनी चाहत थी।' आगे सुहाना ने कहा, 'लोग क्या सोचेंगे यह छोड़कर मैं अपने काम पर फोकस करतीं हूं। एक्टिंग से लेकर मैग्जीन शूट तक हर कदम मैं बहुत सावधानी और माता पिता से स्वीकृती मिलने के बाद ही उठाती हूं।' दोस्तों के बारे में सुहाना ने कहा कि वो कम मगर लंबी दोस्ती में भरोसा करतीं हैं।

जल्द करेंगीं बड़े पर्दे पर डेब्यू

सुहाना जल्द ही अपने पिता के साथ फिल्म 'किंग' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करेंगी। रेड चिलीज बैनर तले बन रही ये फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है। फिल्म का टीजर पिछले साल शाहरुख के बर्थडे पर रिलीज हुआ था। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित इस फिल्म में शाहरुख और सुहाना के अलावा दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और रानी मुखर्जी समेत कई कलाकार नजर आएंगे।

तेजस्वी प्रकाश ने तस्वीरों के जरिए दिखाई अपनी अब तक की शानदार जर्नी

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश मनोरंजन जगत में काफी समय से काम कर रही हैं। मंगलवार को अभिनेत्री ने पुराने दिनों को याद किया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में तेजस्वी अपने पुराने सीरियल के किरदार में नजर आ रही हैं। कुछ फोटोज में वे अपने उस समय के लुक में दिख रही हैं, तो कुछ में वे अपने दोस्तों और साथी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरें फोटोशूट की हैं, जहां वे स्टाइलिश और ट्रेंडी कपड़ों में पोज दे रही हैं। ये तस्वीरें उनके सफर की शुरुआत को दर्शाती हैं, जब वे टीवी स्क्रीन पर पहली बार दर्शकों के सामने आई थीं। तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने लिखा, 2016 मेरा दिल है और हमेशा ऐसा ही रहेगा। फैंस अभिनेत्री की तस्वीरों को देखते ही ढेर सारे लाइक और कमेंट्स कर रहे हैं। वहीं, कई यूजर्स तरह तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश 2017 में सोनी टीवी के टीवी सीरियल पहरेदार पिया की में दिया सिंह के तौर पर मुख्य भूमिका में नजर आई थीं, लेकिन बाल विवाह केंद्रित कहानी होने के कारण प्रसारण के कुछ दिन बाद ही सीरियल विवादों में घिर गया था।

तमिल सुपरस्टार अजित कुमार की रेसिंग जर्नी पर बनेगी डॉक्यूमेंट्री फिल्म

अभिनेत्री नयनतारा और उनके पति, निर्देशक विग्नेश शिवन तमिल सुपरस्टार अजित कुमार को हौसला देनेदुबई ऑटोड्रोम पहुंचे। अजित ने अपनी टीम अजित कुमार रेसिंग के साथ दुबई 24 II सीरीज नाम की एक बड़ी कार रेसिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके कई वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री भी बनेगी। कई वीडियो इंटरनेट पर बहुत तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें अजित नयनतारा और विग्नेश शिवन का गर्मजोशी से स्वागत करते दिख रहे हैं। वे उन्हें अपनी टीम के बाकी सदस्यों से मिलवाते हैं और सबके साथ अच्छी बातचीत करते हैं। पिछले हफ्ते म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध ने भी अबू धाबी में अजित से मुलाकात की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अजित की रेसिंग जर्नी पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बन रही है। इसे निर्देशक ए.एल. विजय बना रहे हैं। यह फिल्म करीब 90 मिनट की होगी और इसका मकसद युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, मोटरस्पोर्ट को भारत में लोकप्रिय बनाना है, क्योंकि कई लोग इसे अभी भी अमीरों का खेल मानते हैं। फिल्म में मलेशिया, अबू धाबी और दुबई की रेसों के अलावा अजित की तैयारी, स्ट्रैटेजी मीटिंग्स और प्रैक्टिस सेशन भी दिखाए जाएंगे। यह डॉक्यूमेंट्री अगले साल 1 मई को अजित के जन्मदिन पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रानी मुखर्जी ने सोशल मीडिया नेगेटिविटी को लेकर साझा की राय

फिल्मों की रिलीज के साथ सोशल मीडिया पर अचानक फैलने वाली नेगेटिविटी आज एक बड़ी समस्या बनती जा रही है। कई बार रिलीज से पहले ही किसी फिल्म या एक्टर को लेकर माहौल बना दिया जाता है, जिससे लोगों की राय पहले से तय होने लगती है। इसी मुद्दे पर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने अपने मन की बात रखी है।

रानी मुखर्जी ने कहा ऑडियंस हमेशा सही होती है। मैं आज भी यह नहीं मानती कि ऑडियंस किसी एजेंडे के साथ फिल्म देखने आती है। लोग सिनेमाघर खुले दिल से आते हैं। लेकिन आज के दौर में खासकर सोशल मीडिया की वजह से, फिल्मों और कलाकारों को लेकर एक माहौल बना दिया जाता है। कुछ लोग या ऑडियंस का एक छोटा सा हिस्सा जान-बूझकर नेगेटिविटी फैलाता है। इस बात से मैं वाकिफ हूं। इंसान की फितरत नेगेटिव नहीं होती मैं दिल से मानती हूं कि कोई भी इंसान नेगेटिव नहीं होना चाहता है। हर कोई अच्छा काम करना चाहता है। हर कोई प्यार करना चाहता है। हर कोई बदले में प्यार पाना चाहता है। इसी सोच के साथ मैं भी आगे बढ़ती हूं।

सोशल मीडिया रिएक्शन पर राय

हां, आज सोशल मीडिया ऐसी जगह बन गया है, जहां लोग सही और गलत समझे बिना तुरंत रिएक्शन दे देते हैं। ऐसे में मैं बस यही दुआ करती हूं कि लोगों को थोड़ी समझ मिले। वह सोशल मीडिया पर एकदम से रिएक्शन की आदत से बचें।

विजडम बेल बटन होना चाहिए

यह मेरा सुझाव है। सोशल मीडिया पर जैसे लाइक और डिसलाइक का बटन होता है, वैसे ही कुछ लिखने या बोलने से पहले एक सोचने वाला बटन (विजडम बेल) भी होना चाहिए। जिससे इंसान एक पल रुककर सोच सके कि वह जो कहने जा रहा है, वो सही है या नहीं।

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 और टॉक्सिक के क्लैश को लेकर किया पोस्ट

राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की तारीफ की थी। वहीं आज राम गोपाल वर्मा ने यश की फिल्म टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की एक ही दिन में रिलीज को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। निर्देशक ने इसे धुरोक्सिक नाम देते हुए दोनों फिल्मों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कैसा होगा दो फिल्मों का टकराव?

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक के बीच 19 मार्च 2026 को होने वाले बड़े बॉक्स ऑफिस टकराव पर अपनी राय दी है। उन्होंने एक्स पर अपनी राय शेयर की है। निर्देशक ने इसे मजेदार नाम दिया है- धुरोक्सिक। निर्देशक ने लिखा कि यह सिर्फ दो फिल्मों की रिलीज का टकराव नहीं, बल्कि यह भारतीय सिनेमा का प्रलय का दिन होगा।

कैसी होगी धुरंधर 2

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 को लेकर लिखा, धुरंधर 2 एक यथार्थवादी सिनेमा है। इसमें कहानी असली जिंदगी पर आधारित है। हिंसा इसलिए होती है क्योंकि जरूरत है, न कि सिर्फ दिखावे के लिए। हीरो एक आम इंसान है, जो वक्त आने पर गलती कर सकता है, घायल हो सकता है और हार भी सकता है। फिल्म दर्शकों को भावनाओं से जोड़ती है।

टॉक्सिक को लेकर राय

वहीं कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर राम गोपाल वर्मा ने लिखा, यह बहुत अवास्तविक फिल्म है क्योंकि इसमें स्टाइल और कूलनेस पहले आती है और लॉजिक बाद में। हिंसा सिर्फ एटीट्यूड दिखाने के लिए है। हीरो बुलेटप्रूफ है, कभी हारता नहीं, दुनिया उसकी पूजा करती है। फिल्म दर्शकों को सिर्फ एक्साइटमेंट देना चाहती है, गहरी भावनाएं नहीं। कैमरा हीरो को भगवान जैसा दिखाने की कोशिश करता है।

19 मार्च को होगा फिल्मों का फैसला

19 मार्च को धुरंधर 2 और टॉक्सिक रिलीज के बाद कई सवालों का जवाब देंगी। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, क्या आज भी लोग अंधेरे, स्लो-मोशन में चलने वाले हीरो को पसंद करेंगे? या फिर सिर्फ तमाशा दिखाने वाली हिंसा को लोग स्वीकार करेंगे? उन्होंने आगे लिखा, दोनों फिल्में साथ देखना ऐसा होगा जैसे एक तरफ युद्ध का मैदान हो और दूसरी तरफ फैशन शूट। एक फिल्म (धुरंधर) दिल को छूती है और दूसरी (टॉक्सिक) सिर्फ कैमरे के लिए पोज देती है।

सच्चाई और स्टाइल में किसकी होगी जीत?

राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, दोनों फिल्मों के बीच जो टकराव है, वो सच्चाई और स्टाइल को लेकर है। राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, इससे शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों वाली नायक पूजा (हीरो को भगवान बनाने की परंपरा) का अंत शुरू हो सकता है। दर्शक अब भगवान नहीं, बल्कि आम इंसान वाला हीरो चाहते हैं। या फिर उल्टा भी हो सकता है।

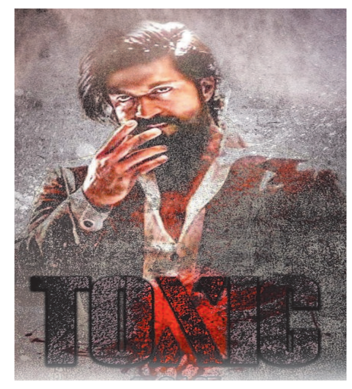

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।